मंगलवार
21 मार्च, 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

लूट की योजना बना रहे अपराधी कट्टे के साथ धराए 3

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ मिथिलांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

तुषार हत्याकांडः कन्हौली गांव के लोगों ने बिहटा-खगौल मार्ग को पांच घंटे तक रखा जाम, हत्यारे को फांसी देने की मांग

हत्या के विरोध में बिहटा में बवाल, सड़क जाम

- हत्या की जांच सीबीआई करे, अन्य अभियुक्तों को भी पुलिस गिरफ्तार करे, सभी को फांसी हो
- जैसे तुषार को अपराधियों ने जला कर मारा है, उनको भी उसी तरीके से मारा जाए
- हत्या के मुख्य आरोपित मुकेश के स्कूल में लोगों ने तोड़फोड़ करते हुए टेबल, बेंच को जलाया

केटी न्यूज/पटना

बिहटा के कन्हौली गांव निवासी राजकिशोर पंडित के पुत्र तुषार की अपहरण के बाद हत्या के विरोध में सोमवार को ग्रामीणों ने सुबह करीब आठ बजे ही बिहटा खगौल मार्ग को जाम कर दिया। तुषार के परिवार और ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी और आगजनी करते हुए जमकर बवाल काटा। ग्रामीणों और परिवार वालों का कहना था कि तुषार की हत्या की जांच सीबीआई करे और इस कांड में शामिल अन्य अभियुक्तों की भी गिरफ्तारी हो। जैसे तुषार को अपराधियों ने जला कर निर्दयी तरीके से मारा है उसको भी उसी तरीके से मारा जाए। परिवारवालों और ग्रामीणों ने कहा है कि जब तक हत्यारे को फांसी या एनकाउंटर नहीं हो जाता, तब तक हम लोग अनिश्चितकालीन धरना पर ही रहेंगे। लोगों ने हत्या के मुख्य आरोपित मुकेश कुमार का कन्हौली में स्थित स्कूल में जमकर तोड़फोड़ करते हुए टेबल,बेंच आदि को उठाकर सड़क पर रखकर जला विरोध प्रदर्शन किया। लोग हत्यारे की फांसी, बिहटा थाना प्रभारी का निलंबन, कन्हौली बाजार पर पुलिस चौकी एवं जिलाधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे थे। परिजनों ने बिहटा-पटना मुख्य पथ और सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब 5 घंटे तक सड़क जाम रहा।

तुषार की हत्या के बाद बिहटा के तमाम इलाकों में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। गौरतलब है कि तुषार का अपहरण 16 मार्च की शाम को हुआ था। तुषार को पहचान वाले टीचर मुकेश कुमार ने वॉट्सऐप कॉल करके बहन के बारे में बताने के नाम पर अपनी कोचिंग में बुलाया। वहीं से उसका अपहरण कर लिया। फिर उसे सिकंदरपुर गांव ले गया। डेढ़ घंटे के अंदर गला दबाकर कर उसकी हत्या कर दी। इतने से मन नहीं भरा तो फिर चाकू भी मारे। इसके बाद उसकी मौत के बाद शव को जला दिया था।

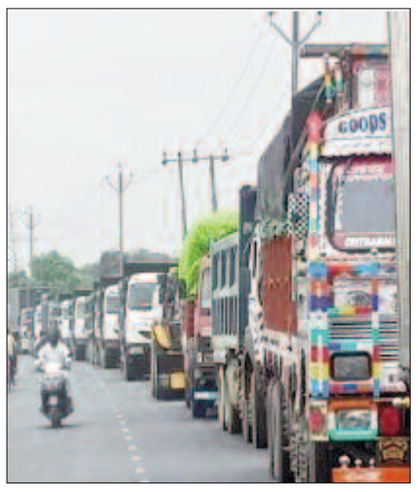

बिहार पुलिस के क्राइम कंट्रोल का दावा पूरी तरह फेल

वैसे तो बिहार की पुलिस स्मार्ट पुलिस होने का दावा करती है और आजकल तो ट्विटर पर भी कुछ ज्यादा ही सक्रिय हो चुकी है। आलम ये है कि छोटे-मोटे अपराधों का खुलासा करने पर बिहार पुलिस अपनी पीठ थपथपाने से नहीं पीछे हटती लेकिन जब बड़े मामलों की बात आती है तो यही बिहार पुलिस ट्विटर पर अंधी, गूंगी बहरी बन जाती है। खासकर राजधानी पटना की पुलिस का तो क्या ही कहना। राज्य के सबसे हाईटेक पुलिस होने का दावा करने वाली पटना पुलिस को इन दिनों बदमाश खुली चुनौती दे रहे हैं। एक तरफ क्राइम कंट्रोल का दावा करने वाली बिहार पुलिस सूबे की राजधानी में ही लोगों को सुरक्षा का अहसास नहीं करा पा रही है। आलम ये है कि राजधानी पटना में एक के बाद एक संगीन अपराध हो रहे हैं। ताजा मामले में तो एक मासूम की उसके ही पूर्व शिक्षक द्वारा अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। आरोपी ने मासूम की हत्या की स्क्रिप्ट पहले ही लिख ली थी।

तीन दिन सोती रही पुलिस

16 मार्च 2023 को तुषार का अपहरण होता है और परिजन एफआईआर भी दर्ज करा देते हैं लेकिन पटना पुलिस एफआईआर दर्ज करने के बाद सो जाती है और तुषार के साथ अनहोनी होने का इंतजार करने लगती है। वैसे तो अनहोनी हो चुकी रहती है लेकिन पुलिस को अनहोनी होने का खुलासा करने में 3 दिन लग जाते हैं। ऐसे में एक बार फिर से सवाल उठता है कि क्या इसी को स्मार्ट पुलिसिंग कहा जाता है? सारे संसाधनों से लैस पटना पुलिस जब एक सिविलियन अपराधी को ढूंढने में तीन-तीन दिन लगा देती है तो आतंकी व शातिर बदमाशों को किस कदर ढूंढती होगी। पटना पुलिस के ढुलमुल रवैये ने आम लोगों को यही बताया है कि अपनी सुरक्षा स्वयं करें, हमारे बस का कुछ नहीं है।

योगी मॉडल के तर्ज पर बिहार में अपराध रोकें सीएमः बीजेपी

हत्या-अपहरण रोकने के लिए अगर गाड़ी पलटनी पड़े तो पलटने दें, लेकिन अपराध रोकें: विधायक

केटी न्यूज/पटना

भाजपा के विधायक पवन जायसवाल ने कहा कि नीतीश कुमार कभी भी क्राइम को बर्दाश्त नहीं करते थे लेकिन आज यह समय आ गया है कि जो पहले हथियार गाड़ी में नहीं रखकर चलते थे वह आज अपने हथियार को चमकाने लगे हैं। शायद इस बात की जानकारी उनको हो गई है कि उनकी सरकार आ गई है। भाजपा के विधायक ने कहा कि योगी मॉडल के तर्ज पर बिहार में क्राइम को रोका जाना चाहिए। पवन जायसवाल ने कहा कि 2005-10 के शासन में नीतीश कुमार ने अपराध को रोकने के लिए इतनी सख्ती दिखाई कि बिहार से अपराधी फरार हो गए थे। लेकिन जैसे ही नीतीश कुमार ने पाला बदला, अपराधी फिर से सक्रिय हो गए। आज हर दिन छात्रों का अपहरण हो रहा है, उनकी हत्याएं हो रही हैं। पटना के लापता डॉक्टर के बारे में अब तक कोई पता नहीं चल सका है।

सीएम को सख्त कदम उठाने की जरूरत

भाजपा विधायक ने कहा यूपी में योगी मॉडल लागू है। अपराधियों को लेकर योगी जी ने साफ किया है कि उन्हें मिट्टी में मिला दिया जाएगा। ऐसा ही अब बिहार में जरूरत है। मैं यह नहीं कहता कि योगी मॉडल को पूरी तरह लागू किया जाए। मुख्यमंत्री इसे अपने हिसाब से लागू करें। अपराध रोकने के लिए गाड़ी पलटनी पड़े, तो पलटने दीजिए। लेकिन, बिहार को अपराध से मुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री को सख्त कदम उठाने की जरुरत है।

तुषार की हत्या बीजेपी की साजिश : राजद

तुषार की हत्या मामले में विधानसभा में भाजपा ने सरकार से सवाल पूछा है कि यह कबतक चलता रहेगा। वहीं राजद प्रवक्ता व विधायक भाई वीरेंद्र ने तुषार की हत्या को बीजेपी की साजिश करार दिया है। उन्होंने सदन परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि जहां यह घटना हुई है, वह मेरे विधानसभा में आता है। कहा, कि इस घटना में जिसे पकड़ा है। वह भी भाजपा का सदस्य निकलेगा। भाजपा अपनी राजनीति के लिए कुछ भी कर सकती है। भाई वीरेंद्र ने तुषार की मौत को बीजेपी की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बिहार में अपराध कर रहे हैं, ताकि सरकार की छवि खराब की जा सके। लोगों को लगे कि हमारी सरकार अपराध रोकने में कितनी नाकाम है।

बक्सर बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष की हार्ट अटैक से मौत, शोक

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बबन उपाध्याय का सोमवार की दोपहर को हार्ट अटैक से निधन हो गया। सदर अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। वे मूलरूप से राजपुर प्रखंड के बभनी भरखरा गांव के रहने वाले थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पत्रकारों, सामाजिक व राजनैतिक कार्यकताओं तथा बुद्धिजीवियों में शोक की लहर दौड़ गई। बता दें कि स्व उपाध्याय भारतीय जनसंघ के समय से ही भाजपा व संघ परिवार से जुड़े थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में सामाजिक व राजनैतिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वे दो बार भाजपा के जिलाध्यक्ष रह चुके थे। हमेशा उच्च आदर्शों तथा स्वच्छ राजनीति में भरोसा करने वाले बबन उपाध्याय के पुत्र अविनाश उपाध्याय बक्सर पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष हैं।

श्रद्धांजलि

शोक व्यक्त करने वालों में अरबिंद कुमार चौबे उर्फ चुन्नु चौबे, मनोज सिंह, शुभनारायण पाठक, मृत्युंजय सिंह, राजेश तिवारी, चंद्रकांत निराला, ओंकारनाथ मिश्र, आशुतोष सिंह, पंकज भारद्वाज, सांसद अश्विनी कुमार चौबे, विधायक संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, राजपुर विधायक विश्वनाथ राम आदि शामिल हैं।

केंद्र सरकार को वन रैंक वन पेंशन की बकाया राशि का भुगतान किश्तों में करने की इजाजत

एजेंसी/नई दिल्ली

सरकार का जवाब... इसी वित्त वर्ष में होगा पूरा भुगतान

सुप्रीम कोर्ट ने वन रैंक वन पेंशन के तहत बकाया राशि का भुगतान किश्तों में करने की इजाजत केंद्र सरकार को दे दी है। कोर्ट ने कहा है कि पूर्व सैनिकों की पूरी बकाया पेंशन का भुगतान 28 फरवरी, 2024 से पहले कर दिया जाए। यह बकाया राशि लगभग 21 लाख पूर्व सैनिकों या उनके परिवार को दी जानी है। कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि इस भुगतान को आधार बना कर सरकार हर 5 वर्ष में होने वाली पेंशन की समीक्षा और बढ़ोतरी को टालने की कोशिश नहीं कर सकेगी। जुलाई, 2024 के लिए तय यह प्रक्रिया अपने समय पर ही होगी।

रक्षा मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने इस साल पेंशन के लिए 1.2 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। लेकिन वन रैंक वन पेंशन योजना के बाद पेंशन बढ़ने के कारण एक बड़ी रकम का भुगतान अब भी बकाया है। 2019 से 2022 के बीच की अवधि के लिए बकाया यह राशि 28 हजार करोड़ रुपए है। इसका भुगतान एक ही साथ कर पाना कठिन है। वित्त मंत्रालय ने भी ऐसा न करने की सलाह दी है। इसे किश्तों में किया जाएगा। पूरा भुगतान इसी वित्त वर्ष में कर दिया जाएगा। जजों ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

क्या है मामला

28 हजार करोड़ रुपए की बकाया राशि किश्तों में चुकाने के सरकार के नोटिफिकेशन के खिलाफ पूर्व सैनिकों की संस्था ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने बताया था कि 9 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने पूरी राशि 15 मार्च तक चुकाने के आदेश दिया था। ऐसा में उससे अलग अधिसूचना जारी कर रक्षा मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट की अवमानना की है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने सरकार से इस अधिसूचना को वापस लेने के लिए कहा था।

कर्नाटक विधानसभा चुनावः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राज्य के लिए की कई घोषणाएं

सरकार बनी तो बेरोजगारों को मिलेंगे हर माह 3000 रु.

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस को कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 से काफी उम्मीदें हैं, जिसको लेकर पार्टी जोर-शोर से तैयारियां कर रही है। चुनाव में कांग्रेस कोई की कसर नहीं छोड़ना चाहती, इसी सिलसिले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कर्नाटक पहुंचे और राज्य के लिए कई बड़ी घोषणाओं का ऐलान किया। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने यहां पहली रैली की। कांग्रेस सासंद राहुल गांधी ने कर्नाटक के लिए जो सबसे बड़ा ऐलान किया है वो ग्रेजुएट बेरोजगारों को 2 साल तक हर महीने 3,000 रुपये देना शामिल है। उन्होंने बेलगावी में कहा, केंद्र सरकार बेरोजगारी कम करने के लिए कुछ नहीं कर रही। इसलिए कांग्रेस पार्टी ग्रेजुएट बेरोजगारों को 2 साल तक हर महीने 3,000 रुपये देगी और डिप्लोमा होल्डर्स को 2 साल तक हर महीने 1,500 रुपये दिए जाएंगे। राहुल गांधी ने कर्नाटक में दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली भी देने का ऐलान किया, लेकिन इस दौरान उनकी जुबान भी फिसल गई। उन्होंने दो सौ की बजाय दो हजार यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर दिया।

40 फीसदी कमिशन लेकर होता है काम

राहुल गांधी ने दस लाख प्राइवेट रोजगार देने और ढाई लाख खाली पड़े सरकारी पद भरने का वादा किया। कर्नाटक के बेलगाम में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक की सरकार देश में सबसे भ्रष्ट सरकार है। कोई भी काम करवाने के लिए 40 फीसदी कमिशन लिया जाता है। उन्होंने बीजेपी विधायक को लेकर भगवा पार्टी पर हमला किया। राहुल ने कहा कि कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। एमएलए के बेटे से आठ करोड़ रुपए पकड़े गए लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बड़ा चुनावी एलान करते हुए राहुल गांधी ने कहा राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी तो दस लाख युवाओं को रोजगार देगें और साथ ही ढाई लाख सरकारी खाली पद भरे जाएंगे। राहुल ने कांग्रेस के पहले से किए वादों को भी दोहराया और कहा कि महिलाओं को हर महीने दो हजार रूपए और गरीब परिवारों को दस किलो चावल मिलेगा।

खबरें फटाफट

मवेशियों से भरा ट्रक जब्त

भभुआ। जिले के एनएच-2 के रास्ते पशुओं की तस्करी लगातार जारी है । पुलिस द्वारा दुर्गावती थाना क्षेत्र के मरहिया मोड़ के पास एनएच-2 से बैल लदे एक ट्रक को जब्त किया है। सभी पशुओं को बर्बरता पूर्वक बांधा गया था। कुछ जानवरों के शरीर से ब्लड भी निकल रहा था। यूपी से बिहार में ट्रकों में ठूंसकर पशु को लाने की जताई जा रही। दुर्गावती पुलिस द्वारा जब्त ट्रक को दुर्गावती थाना क्षेत्र के नुआंव पशु मेला में ले जाया जा रहा है। जहां पशुओं को ट्रक से उतारने के बाद हो पाएगी गिनती। दरअसल आज रविवार सुबह 9:30 बजे दुर्गावती थाना क्षेत्र के मरहिया मोड़ के पास एक ट्रक को खड़ा देख ग्रामीण जब उसके पास पहुंचे तो ट्रक से टकराने की आवाज आ रही थी । जब उसके ऊपर चढ़कर ग्रामीणों ने देखा तो ट्रक के अंदर बर्बरता पूर्वक मवेशियों को बांधकर रखा गया था। जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना दुर्गावती पुलिस को दी। मौके पर जब पुलिस पहुंची तो पाया कि ट्रक खराब हो गया है। जिस कारण चालक और तस्कर ट्रक छोड़कर घटनास्थल से फरार हो गए।

जिले के किसानों ने दिया एक दिवसीय धरना

जहानाबाद। सोमवार को जहानाबाद संभाले के समक्ष बल दिया बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा एक दिवसीय धरना दिया गया। इस धरना में दर्जनों की संख्या में किसान उपस्थित हुए और बंदरिया नदी को बचाने को लेकर जमकर नारेबाजी की। किसानों ने कहा कि जहानाबाद जिले में बल दयानदीप प्रमुख नदी है, लेकिन ऊपरी मुहाने पर नदी में रोक लगा दिए जाने के कारण जहानाबाद जिले के 55 पंचायत के गांव में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो रही है। किसानों को खेतों को सिंचित करने में भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसी मांग को लेकर हम लोग आज धरने पर बैठे हैं।

गर्मी के मौसम में बच्चों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरतः डॉ. दिलीप सिंह

केटी न्यूज/छपरा

- सदर अस्पताल में जिले के सभी प्रखंडों के स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण
- मास्टर ट्रेनरों को एईएस/जेई रोकथाम और एमएमडीपी किट के प्रयोग की दी गई जानकारी

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन और एईएस/जेई के मद्देनजर जिला स्वास्थ्य समिति सख्त है। इस क्रम में जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक लोगों को जागरूक करते हुए इन रोगों की रोकथाम की तैयारी में जुटा हुआ है। इसके लिए सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के चिकित्सकों और कर्मियों को फाइलेरिया और एईएस/जेई के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस क्रम में सोमवार को सदर अस्पताल में मास्टर ट्रेनरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप सिंह ने बताया कि गर्मी में बच्चों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। क्योंकि इसी समय में एईएस-चमकी रोग के बढ़ने की आशंका ज्यादा रहती है। अप्रैल से जुलाई तक के महीनों में छह माह से 15 वर्ष तक के बच्चों में चमकी की संभावना ज्यादा होती है। इसलिए सभी मास्टर ट्रेनर अपने अपने प्रखंडों में स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे। जिसके बाद वो लोगों को एईएस/जेई और एमएमडीपी को लेकर जागरूकता फैलाएंगे। जिसमें जिले के सभी एमओआईसी, हेल्थ मैनेजर, बीसीएम, वीबीडीसी व कालाजार बीसी शामिल हुए। इस दौरान पटना से आए केयर इंडिया के ट्रेनर डॉ. इंद्रानाथ बैनर्जी ने एमएमडीपी किट और उसके प्रयोग के संबंध में बताया। वहीं, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक सह प्रशिक्षक डॉ. संदीप कुमार ने एईएस के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

एक से 15 वर्ष तक के बच्चे होते हैं प्रभावित

प्रशिक्षक डॉ. संदीप कुमार ने कहा कि हर साल गर्मियों के दिनों में दिमागी या चमकी बुखार का खतरा बढ़ जाता है। इस बीमारी से एक से 15 वर्ष तक के बच्चे ज्यादा प्रभावित होते हैं। यह एक गंभीर बीमारी है। जो समय पर इलाज से ठीक हो सकता है। अत्यधिक गर्मी एवं नमी के मौसम में यह बीमारी फैलती है। उन्होंने कहा कि चमकी को धमकी के तहत तीन बातों को जरूर याद रखना चाहिए। खिलाओ, जगाओ और अस्पताल ले जाओ। बच्चे को रात में सोने से पहले खाना जरूर खिलाएं, सुबह उठते ही बच्चों को भी जगाए और देखें बच्चा कहीं बेहोश या उसे चमकी तो नहीं है। बेहोशी या चमकी को देखते ही तुरंत एंबुलेंस या नजदीकी गाड़ी से अस्पताल ले जाना चाहिए। वहीं, चमकी आने की स्थिति में मरीज को करवट या पेट के बल लेटना चाहिए। शरीर के कपड़े को ढीला कर दें। मरीज के मुंह में कुछ भी नहीं डालें।

हाथीपांव के मरीजों के लिए पांव की देखभाल जरूरी : ट्रेनर डॉ. इंद्रनाथ बनर्जी ने बताया कि फाइलेरिया के हाथीपांव के मरीजों के लिए उनके पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होता है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से ग्रेड-4 के ऊपर के मरीजों को एमएमडीपी किट उपलब्ध कराया जाता है। जिसके प्रयोग के वो अपने पैरों को साफ सुथरा रख सकेंगे। इसके लिए सभी प्रखंडों के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को एमएमडीपी किट का प्रयोग करने के पूर्व मरीजों को डेमो दिखाया जाएगा। जिससे वे उपचार की विधि समझ सकें।

उन्हें बताया जाए कि हाथीपांव के मरीज उपचार के समय पहले पैर पर पानी डाल लें। उसके बाद हाथ में साबुन लेकर उसे हलके हाथ से रगड़ें और झाग निकालें। जिसके बाद हल्के हाथ से पैर में घुटने से लेकर उंगलियों व तलुए तक साबुन लगायें। जिसके बाद हल्के हाथ से घुटने से पानी डालकर उसे धो लें। जिसके बाद तौलिया लेकर हल्के हाथ से पोछ लें। इसके बाद पैर में जहां पर घाव हो वहां पर एंटी फंगल क्रीम लगायें। मौके पर एसीएमओ डॉ. हरिश्चंद्र प्रसाद, वीबीडीसी सुधीर कुमार, केयर इंडिया के वीएल डीपीओ आदित्य कुमार समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने अधिकारियों के साथ की बैठक, कहा-

म्यूटेशन के सभी लंबित मामलों को तय समय में निष्पादित करें

केटी न्यूज/जहानाबाद

■ भूमिहीन को बंदोबस्ती करने हेतु नियमानुसार प्रस्ताव भेजने का दिया निर्देश

जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय की अध्यक्षता में आज अंचल अधिकारियों के साथ राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑन लाइन मुटेशन, भू-लगान वूसली, ऑन लगान वसूली, परिमार्जन, सीडब्लूजेसी, अभियान बसेरा, दखल-देहानी, अतिक्रमण, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण कार्यालय से प्राप्त अंचलवार अतिक्रमण की सूची, अधिकार अभिलेख, स्वास्थ्य विभाग एवं अंचलवार भूमि उपलब्ध की जाने वाली भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रतिवेदन, जल-जीवन-हरियाली राजस्व, लोक शिकयत निवारण अधिकार, खनन, एलपीसी, आरटीपीएस, सम्परिवर्तन, जिला जनता दरबार, ईट भट्टा, क्रेसर मशीन, आरा मशीन से संबंधित प्रतिवेदन पर विस्तार से समीक्षा किया गया। जिला पदाधिकारी ने जिन-जिन अंचलों का म्यूटेशन का प्रतिशत खराब है उसे सुधार करने का निदेश संबंधित अंचल अधिकारियों को दिया गया, जिसमें मोदनगंज, हुलासगंज एवं रतनी फरीदपुर को शीघ्र म्यूटेशन में प्रतिशत बढ़ाने का निदेश दिया गया। साथ हीं अतिक्रमण हटाने का निदेश दिया गया।

बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम ऑनलाइन म्यूटेशन की समीक्षा की गई। सभी अंचल अधिकारी को निदेश दिया गया कि म्यूटेशन के मामलों को बैकलॉग में नहीं रखेंगे और म्यूटेशन में जितने भी लंबित मामलें हैं, उसका निष्पादन निर्धारित समय सीमा के अंदर करना सुनिश्चित करें। बैठक में निर्देश दिया गया कि जिन अंचलों में पंचायतों के अंतर्गत पंचायत सरकार भवन हेतु अब तक भूमि उपलब्ध नहीं कराया गया है, वहां उपयुक्त भूमि देखकर अभिलेख संधारित करते हुए अग्रसारित करना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही जिन अंचलों के अंतर्गत संबंधित पंचायतों में स्वास्थ्य केंद्र हेतु भूमि अब तक उपलब्ध नहीं हुई है, वहां भी भूमि देखकर अभिलेख संधारित करते हुए अग्रसारित करना सुनिश्चित करेंगे। जिन अंचलों के अंतर्गत दखल देहानी से संबंधित यदि कोई लंबित मामला है तो उसका अनुश्रवण करते हुए निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे।

जिला पदाधिकारी ने अभियान बसेरा के अंतर्गत भूमिहीन को बंदोबस्ती करने हेतु नियमानुसार प्रस्ताव भेजना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में सभी अंचल अधिकारियों को निदेशित किया गया कि लोक भूमि अतिक्रमण के मामलों विशेष कर माननीय मुख्यमंत्री जनता दरबार, जिला जनता दरबार एवं लोक शिकायत निवारण में आने वाले परिवादों को प्राथमिकता पर रखें और नियमानुसार लगातार कार्रवाई करना सुनिश्चित करें तथा अतिक्रमण हटाने संबंधित अनुपालन प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अपर समाहर्ता को निदेश दिया गया कि आगली बैठक अंचल के राजस्व कर्मचारी एवं आर0ओ0 के साथ कराने का निदेश दिया गया, ताकि आवेदन के लंबित कारण का पता किया जा सके।

डीएम ने जाना कृषि विभाग का कार्य

बक्सर। जिला पदाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि खुदरा विक्रेता को साप्ताहिक बिक्री प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से जिला गोपनीय शाखा बक्सर को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही सभी खुदरा विक्रेताओं का बिक्री प्रतिवेदन रजिस्टर पर अद्यतन करने हेतु अपने अस्तर से अनुमंडल कृषि पदाधिकारी बक्सर व डुमरांव एवं सभी सहायक निदेशक जिला बक्सर को निर्देशित करेंगे एवं वर्ष 2022 एवं 2023 माहवार तुलात्मक लक्ष्य प्राप्ति वितरण एवं अंतशेष संबंधित प्रतिवेदन के साथ अगली बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे। जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर द्वारा अवगत कराया गया कि जिला अंतर्गत कुल 266.96 क्विंटल गरमा बीज एवं 90 क्विंटल उड़द का बीज प्राप्त हुआ था जिसे किसानों के बीच ओटीपी के माध्यम से शत प्रतिशत वितरण कर दिया गया है। जिला अंतर्गत पुनः 176.96 क्विंटल गरमा मूंग बीज प्राप्त हुआ है जिसका वितरण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा भूमि संरक्षण विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया किए वित्तीय वर्ष 2021-22 में निर्मित चेक डैम का सामाजिक अंकेक्षण, सर्वे कृषि समन्वयक व मुखिया द्वारा कराया जाए एवं किसानों के बीच निर्मित चेक डैम के लाभ के बारे में प्रचार प्रसार किया जाए। वित्तीय वर्ष 2022-23 के कार्यों की समीक्षा की गई।

सड़क दुर्घटना में ये स्वभाविक मौत नहीं, होगी जांचः चिराग

केटी न्यूज/जहानाबाद

लोजपा (रामविलास) के दिवंगत हुलासगंज प्रखंड अध्यक्ष स्वर्गीय नंद सुमन के परिवारों को सांत्वना देने एवं उनके तैल चित्र पर श्रद्धांजलि करने लोक जन शक्ति पार्टी (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान हुलासगंज के सूरजपुर गांव में सुबह-सुबह पहुंचे। चिराग के आगमन के पूर्व ही स्थानीय कार्यकताओं के साथ पार्टी के जिलाध्यक्ष हेमन्त शरण उर्फ कुंदन का दल वहां पहुंचे हुए थे।

चिराग के पहुंचते ही नंदसुमन कि माँ दहाड़ मारकर रोने लगीं, चिराग पासवान भी उनसे गले लगाकर अपने आप को भी पुत्र बताते हुए कहा कि नंदसुमन के जाने से व्यक्तिगत मुझे काफी दुःख है, मैं भी आपके पुत्र के ही समान हूं। उन्होंने नंदसुमन के पिता सुनील सिंह एवं छोटे भाई वासुनंदन से मिलकर ढाढस बांधा। चिराग ने ईश्वर से प्रार्थना किया कि इस दुख की घड़ी में स्वर्गीय नंद सुमन जी के परिवारों को भगवान शक्ति प्रदान करें। सुनील सिंह ने चिराग पासवान से बात करते हुए अवगत कराया की मुझे शक है कि सड़क दुर्घटना में ये स्वभाविक मौत नहीं है इसकी अच्छे ढंग से उच्च स्तरीय जांच कराई जाए ताकि जो सत्य है वो पता चल सके।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि नंदसुमन जी एक कर्मठ और पार्टी के मजबूत ऊजार्वान कार्यकर्ता थे, उनका इतनी कम उम्र में राजनीतिक परिपक्वता और जुझारूपन को देखकर लगता था कि ये एक दिन बिहार के मुख्यधारा की राजनीति में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु की उच्चस्तरीय जांच के लिए मैं बिहार के डीजीपी से बात करुंगा। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे स्थानीय लोगों में गमगीन का माहौल था सबकी आंखें नम थी नंद सुमन के स्वभाव से पुरे पार्टी को अपूरणीय झति हुई है जिसका भरपाई असंभव है। मौके पर साथ मे बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजु तिवारी प्रधान महासचिव संजय पासवान महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदु कश्यप प्रदेश उपाध्यक्ष रानी चौधरी पिंटु कुशवाहा जयंत कमाण्डो छोटेलाल पासवान निरंजन शर्मा व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे

भक्तिमय वातावरण में निकलेगी श्रीराम की शोभायात्रा

जहानाबाद। जहानाबाद रामनवमी समिति की महत्वपूर्ण बैठक इस्कॉन मंदिर में संपन्न हुई। जिसमें जहानाबाद नगर के सभी समितियों के अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष और प्रमुख कार्यकताओं के साथ नगर समिति ने रामनवमी की भव्य शोभा यात्रा और जागरण यात्रा (बाइक जुलूस) के विषय में सामूहिक चर्चा की गई। तय हुआ कि पूर्व की भांति सभी समितियां आनंद,उत्साह व मयार्दा के साथ भव्य शोभायात्रा अपने पारंपरिक तरीके से निकालेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया की शोभायात्रा के पूर्व सभी समितियो के कार्यकर्ता व शोभायात्रा में शामिल राम भक्तों के साथ 11 बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी करेगी। रामनवमी शोभायात्रा और जागरण यात्रा (बाइक जुलूस) पूर्व की भांति निर्धारित रूट पर ही भक्तिमय वातावरण में निकाली जाएगी। साथ ही ये भी निर्णय लिया गया की सभी समितियां हिंदू नव वर्ष चैत्र प्रतिपदा के शुभ अवसर पर पूरे शहर को भगवामय किया जाएगा।

बाबा सिद्धनाथ मंदिर निर्माण सेवा समिति का मनाया गया वार्षिकोत्सव

जहानाबाद। सोमवार के दिन जिले के ऐतिहासिक वाणावर पहाड़ स्थित बाबा सिद्धनाथ मंदिर के समीप बाबा सिद्धनाथ मंदिर सेवा समिति का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव के मौके पर 72 घंटे का अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसका पूणार्हुति सोमवार को किया गया। इस दौरान हरेराम एवं हरेकृष्ण के उच्चारण से पहाड़ी इलाका गूंजता रहा। पूणार्हुति के मौके पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस बाबत मंदिर निर्माण सेवा समिति के रविकांत कुमार सत्य प्रकाश नवलेश यादव, मनोज कुमार समेत कई लोगों ने बताया वार्षिकोत्सव के अवसर पर अखंड कीर्तन आयोजित किया गया है। अखंड कीर्तन में हरे राम की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। बताते चले कि बाबा सिद्धनाथ मंदिर निर्माण सेवा समिति के द्वारा वाणावर पहाड़ में विकास के कई कार्य किए गए हैं। समिति के द्वारा मंदिर निर्माण पेयजल धर्मशाला समेत कई कार्य कराए गए हैं।

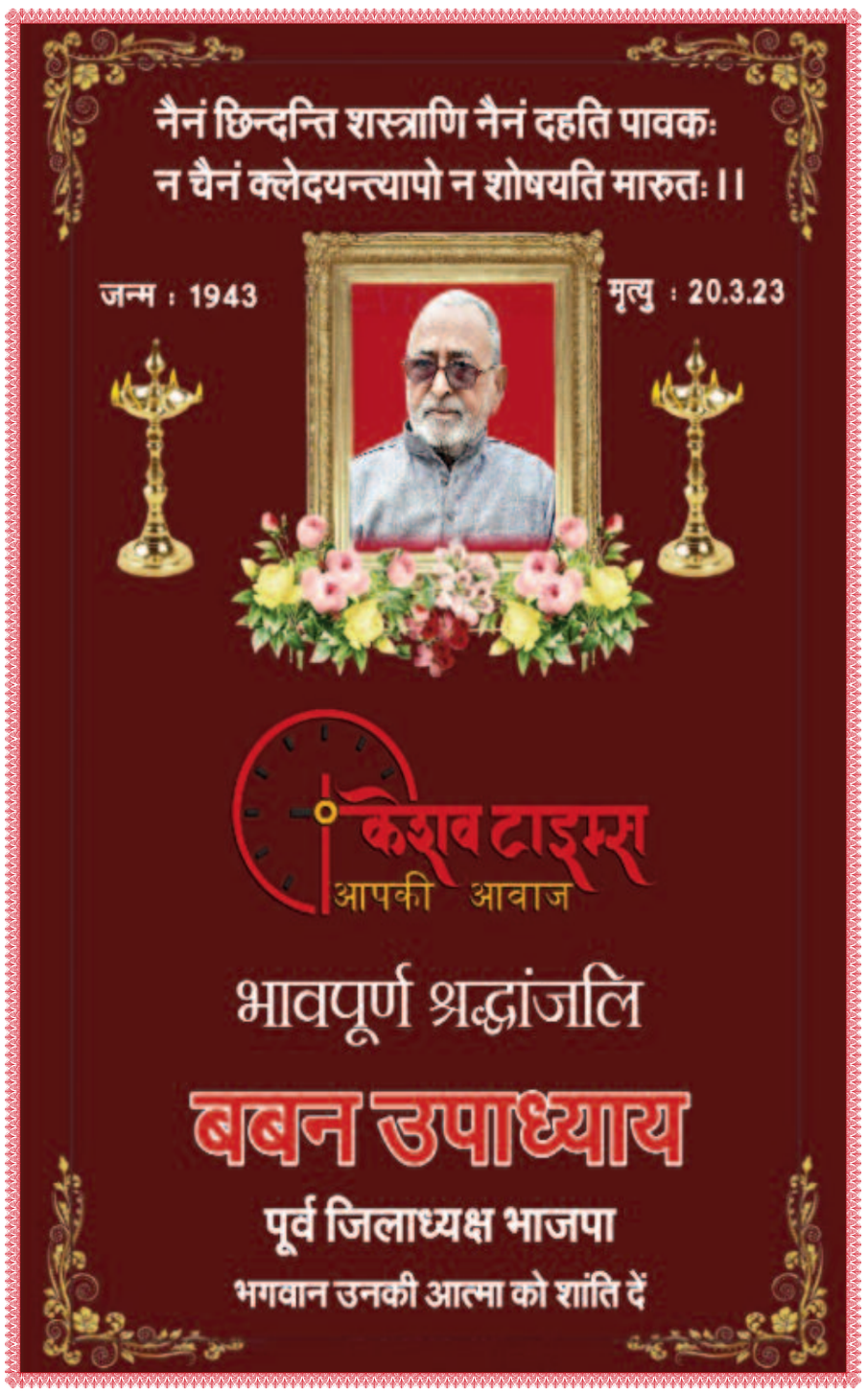

अन्नप्रासन के साथ प्रखंड में हुई पोषण पखवाड़ा की शुरुआत

स्तनपान के साथ ऊपरी आहार सुपोषित जीवन की कुंजी

● सेविका ने बताए ऊपरी आहार का महत्व

केटी न्यूज/पटना

कुपोषण पर लगाम लगाने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाये जा रहे हैं तथा सभी को पोषित करने तथा पोषण का सन्देश घर घर पहुचाने के लिए अपने स्तर से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रयासरत हैं। इसी क्रम में आज सोमवार को जिले के मनेर प्रखंड लोदीपुर गांव स्थित आंगनवाड़ी केंद्र संख्या 60 में छः माह से ऊपर के बच्चों का अन्नप्रासन कर पोषण पखवाड़ा की शुरूआत की गयी। इस अवसर पर शिशु लोकेश कुमार, माता नेहा देवी को खीर खिलाकर इसकी शुरूआत की गयी तथा धात्री माताओं एवं परिवार के सदस्यों को पूरक पोषाहार के विषय में एवं साफ- सफाई के बारे में जानकारी दी गयी।

स्तनपान के साथ उपरी आहार है सुपोषित जीवन की कुंजी: केंद्र संख्या 60 की सेविका सुषमा कुमारी ने बताया कि बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए 6 माह तक का सिर्फ स्तनपान एवं इसके बाद स्तनपान के साथ पूरक पोषाहार बहुत जरुरी होता है। उन्होंने इस दौरान घर एवं मां शिशु की साफ सफाई की जरुरत पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि अनुपूरक आहार शिशु के आने वाले जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। 6 माह से 23 माह तक के बच्चों के लिए यह अति आवश्यक है। 6 से 8 माह के बच्चों को दिन भर में 2 से 3 बार एवं 9 से 11 माह के बच्चों को 3 से 4 बार पूरक आहार तथा 12 माह से 2 साल तक के बच्चों को घर में पकने वाला भोजन भी देना चाहिए। इस दौरान शरीर एवं दिमाग का विकास तेजी से होना शुरू होता है। जिसके लिए स्तनपान के साथ ऊपरी आहार बच्चों के सुपोषित जीवन की पृष्ठभूमि तय करता है।

ऐसे दें बच्चों को पूरक आहार: 6 माह से 8 माह के बच्चों के लिए नरम दाल, दलिया, दाल -चावल, दाल में रोटी मसलकर अर्ध ठोस (चम्मच से गिराने पर सरके, बहे नहीं), खूब मसले साग एवं फल प्रतिदिन दो बार 2 से 3 भरे हुए चम्मच से देना चाहिए। ऐसे ही 9 माह से 11 माह तक के बच्चों को प्रतिदिन 3 से 4 बार एवं 12 माह से 2 वर्ष की अवधि में घर पर पका पूरा खाना एवं धुले एवं कटे फल को प्रतिदिन भोजन एवं नास्ते में देना चाहिए।

पूरक पोषाहार है जरुरी : समेकित बाल विकास योजना के अंतर्गत 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के बेहतर पोषण के लिए पोषाहार वितरित किया जाता है। पूरक पोषाहार के विषय में सामुदायिक जागरूकता के आभाव में बच्चे कुपोषण का शिकार होते हैं। इससे बच्चे की शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास भी अवरुद्ध होता है एवं अति कुपोषित होने से शिशु मृत्यु दर में भी बढ़ोतरी होती है।

चैत्र नवरात्र में मां दुर्गा का आगमन नौका पर व डोली पर हो रहा प्रस्थानः पंडित नरोत्तम द्विवेदी

केटी न्यूज/बक्सर

- नव कन्या पूजन से होती है राज्य सुख की प्राप्तिः आचार्य
- डोली पर मां का प्रस्थान प्रजा के लिये अरिष्टकारक, व्याधि कारक व क्षयकारक
- चैत्र नवरात्र से शुरू होता है हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत

हिंदू धर्म में नवरात्रि के त्योहारों की विशेष मान्यता और महत्व होता है। साल भर में कुल 4 नवरात्रे पड़ते हैं। इनमें से शारदीय नवरात्र और चैत्र नवरात्र खास महत्व रखते हैं। इस वर्ष 2023 में चैत्र नवरात्रि 22 मार्च से शुरू हो रही है जो 30 मार्च तक चलेगी। चैत्र नवरात्रि शुरू होने के साथ ही नया हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत भी शुरू हो जाएगा। नवरात्रि में माता दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। अचार्य सह ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने बताया कि नवरात्रि में नव का अर्थ है नौ और रात्रि का अर्थ है रात और इसलिए, नवरात्रि नौ दिनों की अवधि में मनाई जाती है। चैत्रनवरात्रि मार्च या अप्रैल के महीने में पड़ती है। चैत्र नवरात्रि हिंदू नव वर्ष की शुरूआत का भी प्रतीक है। चैत्र नवरात्रि के दौरान ही चौती छठ पूजा और राम नवमी भी मनाई जाती है। जानें इस बार चैत्र नवरात्रि कब से शुरू हो रही है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म नव संवत्सर 2080 वर्ष प्रतिपदा वासन्तिक नवरात्र की शुरूआत 22 मई से शुरू हो रही है। चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ के शुक्लपक्ष की प्रतिपंदा से नवमी तक के नव दिन नवरात्र कहलाते हैं। इस प्रकार एक संवत्सर में चार नवरात्र होते हैं। इनमें चैत्र नवरात्र, वासन्तिक नवरात्र और आश्विन का नवरात्र, शारदीय नवरात्र, कहलाता है। बाकी दो नवरात्र गुप्त नवरात्र कहलाते है। इनमें आद्याशक्ति भगवती दुर्गा की विशेष आराधना की जाती है। यह नवरात्र तिथि के हिसाब से विशुद्ध नवरात्र है। इसमें प्रतिपदा से नवमी तक सभी तिथि दिन से रात्रि तक प्रवेश है। इस वासन्तिक नवरात्र में देवी का आगमन नौका पर और प्रस्थान डोली पर हो रहा है। जहां नौका पर आगमन का फल सर्व सिद्धिदायक है। वहीं डोली पर प्रस्थान प्रजा के लिये अरिष्टकारक, और व्याधि कारक और क्षयकारक है।

नवरात्र में कन्या पूजन से पृथ्वी के प्रभुत्व की होती है प्राप्ति : अचार्य सह ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने कहा कि नवरात्र में कन्या पूजन का भी विशिष्टता शास्त्रों में, पुराणों में, विशेषकर मार्कण्डेय पुराण और देवी भागवत में बतलाया गया है। दस वर्ष से उपर की कन्या कुमारी पूजन में वर्जन किया गया है। दो वर्ष की कन्या कुमारी, तीन वर्ष की त्रिमूर्तिनी, चार वर्ष की कल्याणी, पांच वर्ष की रोहिणी, छठे वर्ष की काली, सात वर्ष की चण्डिका, आठ वर्ष की शाम्भवी नौ वर्ष की दुर्गा, और दस वर्ष वाली सुभद्रा स्वरुपा होती है। अचार्य सह ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने बताया कि देवी व्रत में कुमारी पूजन का विशेष महत्त्व शास्त्रों में बतलाया गया है। एक कन्या की पूजा से ऐशवर्ण की, दो की पूजा से भोग की, तीन की पूजा से धर्म, अर्थ, काम-त्रिवर्ग की, चार की अर्चना से राज्यपद की, पांच की पूजा से विद्या की, छठी की पूजा से षट्कर्म सिद्धि की, सात की पूजा से राज्य की, आठ की पूजा से विविध पुष्प, मालादि से श्रृङ्गार करनी चाहिए माता की।

- सप्तमी को कालरात्रि देवी की ग्रह मध्य पूजा विविध सामग्रियों से की जाती है।
- अष्टमी को महागौरी पूजा ,रात्रि में महानिशा पूजा वस्त्रादि, सर्व श्रृङ्गार विविध भोग सामग्री से किया जाता है।
- नवमी को सिद्धिदात्री देवी की पूजा पूर्व की सभी सामग्रियों से से करके हवनादि कार्य नारियल बलिदान आदि कार्य से नवरात्र साधना पूर्ण होती है।

निम्न रुप तथा निम्न सामग्री से करना सर्वोत्तम फलदायक सिद्ध होगा

सुबह 11:21 से दोपहर 12:27 बजे तक है कलश स्थापना के लिए अभिजित मुहूर्त

अचार्य सह ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने बताया कि 22 मार्च को कलश स्थापना मुहूर्त प्रातः काल से रात्रि 09:23 प्रतिपदा तिथि में है। विशेष सिद्धि हेतु अभिजित मुहूर्त 11:21 - 12:27 बजे मध्याह्न तक है। प्रथम दिवस भगवती की शैलपुत्री रुप में पूजा होती हैं। प्रतिपदा के दिन केशसंस्कार द्रव्य-आंवला, सुगन्धित तेल आदि केश प्रसाधन संभार से विशेष अर्चना होती है।

- अचार्य सह ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी ने बताया कि द्वितीया को ब्रहचारिणी देवी की पूजा में बाल बांधने ,गूथनेवाले रेशमी सूत फीते आदि से करें।
- तृतीया को चन्द्रघण्टा रुप की सिन्दूर, दर्पण आदि से करें पूजा।
- चतुर्थी को कूष्माण्डा रुप की मधुपर्क, तिलक और नेत्राञ्जन से की पूजा से प्रसन्न होती है माता।
- पंचमी को स्कन्दमाता रुप की अङ्गराग, चन्दनादि एवं आभूषण से मां की पूजा करनी चाहिए।
- षष्ठी को कात्यायनी रुप की

मिली सफलता: डुमरांव एसडीपीओ सह एएसपी राज के नेतृत्व में पांच थानाध्यक्षों की टीम ने की छापेमारी

लूट की योजना बना रहे अपराधी कट्टे के साथ धराए, लूटे गए पांच बाइक व मोबाइल बरामद

केटी न्यूज/ डुमरांव

- अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, एक ही गांव के तीन चोर
- डुमरांव-बगेन व झारखण्ड से लूटी गई बाइक को पुलिस ने किया बरामद 10 घंटे चला ऑपरेशन

पिछले कुछ दिनों से बाइक चोरी की घटनाएं पुलिस के लिए सिरदर्द बन गई थी। आए दिन कोई न कोई चोरी के मामले दर्ज होते रहे थे। हलांकि बीच-बीच में उद्भेदन भी हुआ। वहीं सबसे बड़ी उद्भेदन सोमवार की दोपहर हुई। जिसकी जानकारी डुमरांव एसडीपीओ सह एएसपी राज ने डुमरांव थाने में प्रेसवार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि जब डुमरांव गुप्त सूचना मिली कि लूट अपराधी लूट की योजना बना रहा है। जिसकी सूचना के आधार पर डुमरांव थाना पुलिस की एक टीम बनाकर स्टेशन इलाके भेजा गया। जहां वह पुलिस को देखते ही भागने लगा। जिसके बाद पुलिस ने मशक्कत करते हुए पकड़ा। जिसके बाद सर्च किया गया तो उसके पास एक लोडेड देशी कट्टा बरामद हुई। जिसके बाद डुमरांव थाना लाया गया। जिसके बाद पूछताछ हुई तो उसकी पहचान चक्की निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई। उसने अपने चार साथियों के नाम बताए जिसमें पिंटू केसरी पिता मूल रूप से मुगांव का रहने वाला है। परन्तु डुमरांव में लोग रहते है। जबकि तीन अपराधी नया भोजपुर के रहने वाले है। जिसमें सचिन केसरी, सुरज कुमार व आदिल खां है। जब उनलोगों के यहां छापेमारी की गई तो उनके निशानदेही पर चोरी की पांच बाइक बरामद हुई। जबकि चोरी के ही दो मोबाइल भी बरामद किए गए है। एएसपी ने बताया कि बगेन गोल से लूटी गई बाइक व मोबाईल महज 24 घंटे के अंदर ही बरामद कर लिया। पुलिस ने पूछताछ के बाद सभी लोगों को जेल भेज दिया गया। छापेमारी दल का नेतृत्व स्वयं एएसपी राज कर रहे थे। उनके सहयोग में डीआईयू प्रभारी राजेश मलाकार, नया भोजपुर ओपी प्रभारी सुबोध कुमार, बगेन थानाध्यक्ष अमित कुमार, नावानगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन राय, कृष्णाब्रम्ह थानाध्यक्ष संतोष कुमार, अद्यौगिक थानाध्यक्ष मुकेश कुमार के अलावे एसआई दिनेश कुमार सिंह, डीआईयू पुलिसकर्मी मनीष कुमार, संतोष कुमार व जितेन्द्र कुमार के सहित अन्य चार पुलिस कर्मी मौजूद थे।

दियारांचल में दौड़ रही है चोरी की बाइक : दियारे क्षेत्र में मजे से चोरी की मोटरसाईकिले बिना रोक-टोक दौड़ रही हैं। जिसका समय-समय पर बरामदगी के बाद प्रमाण भी मिलता है। गंगातटवर्ती के साथ ही यूपी और बिहार के सीमावर्ती इलाका होने कारण यहां के लोग आसानी से चोरी की बाइकों प्रयोग करते हैं। क्योंकि इन क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान भी न के बराबर होती हैं। जिसके चलते असानी से बाईक चोर गिरोह के सदस्य यूपी से चोरी की गयी मोटरसाईकिले गंगा के रास्ते नाव के सहारे असानी से दियारे क्षेत्र में आ जाती है। बिहार से चोरी की गयी बाइक असानी से यूपी चली जाती है। जब कई बार पुलिस को सफलता भी मिली है। उसके बाद भी गिरोह के सदस्यों के हौसले बुलंद है।

10 घंटे चले ऑपरेशन बाइक चोर: एसडीपीओ

डुमरांव एसडीपीओ सह एएसपी राज ने बताया कि पकड़े गए दीपक यादव ने चार अपराधियों के नाम बताया। फिर लगातार विभिन्न थाना क्षेत्रों में दस घंटे तक ऑपरेशन बाइक चोर चलाया गया। परन्तु रंगे हाथ पकड़े जाने के कारण अपराधियों को जानकारी हो गई थी। इसलिए सभी अपने इलाके से फरार हो गए है। परन्तु इन लोगों के खिलाफ कई अहम सुराग मिला है। इन लोगों का धंधा है कि यूपी से चोरी की गई बाइक यहां भेज देते है यहां से चोरी की गई बाइक यूपी भेजते है। ऑपरेशन अभी समाप्त नही हुआ है। ग्रामीणों के द्वारा अन्य लोगों के नाम बताए है जिसको लेकर पुलिस उनलोगों को चिन्हित करने में लगी है। जिसके बाद ही इन पर नकले लग सकता है। नही तो ये लोग रक्तबीज की तरह बढ़ रहे है। एएसपी राज ने बताया कि ये लोग लूट की घटना अलग-अलग थाना क्षेत्रों में करते थे। जिसके कारण भनक नहीं लगती थी।

विभिन्न थाना क्षेत्रों से लूटी गई बाइक

- डुमरांव थाना कांड सख्या 94/23 में काला रंग की लूटी गई पैसन प्रो बाइक व मोबाइल बरामद
- बगेन गोला थाना कांड सख्या 36/22 लूटी गई स्मार्ट स्पेलेडर बाइक व मोबाइल बरामद
- धनबाद बैंक मोड़ झारखण्ड कांड सख्या 104/22 से लूटी गई अपाची बाइक बरामद
- भोजपुर जिले के संदेश थाना कांड सख्या 213/22 में लूटी गइ बाइक बरामद
- डुमरांव थाना कांड सख्या 84/23 में चोरी की गई होन्ड़ा साइन मोटरसाइकिल बरामद

एक नजर

मुरार में पुल से टकराई तेज रफ्तार बाइक, पीछे बैठे व्यक्ति की मौके पर ही गई जान

चौगाई। रविवार की देर रात मुरार थाना क्षेत्र के स्थानीय सत्संग कॉलोनी के समीप एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित हो पुल टकरा गई। इस टक्कर के बाद बाइक असंतुलित हो गई। जबकि पीछे बैठा व्यक्ति उछल कर लोहे के पाइप पर जा गिरा। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना रात करीब साढ़े नौ बजे की है। बाइक चला रहे युवक की हालत भी गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही रात्रि गश्ती कर रही मुरार पुलिस की टीम ने आनन फानन में दोनों को चौगाई पीएचसी में भर्ती कराया। जहाँ डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे युवक को गंभीर हालत देखते हुए बक्सर रेफर कर दिया गया। मृतक की पहचान मुरार गांव के निजामुद्दीन के 40 वर्षीय पुत्र सतार अंसारी के रूप में हुई है। जबकि जख्मी युवक भोजपुर जिला के सिकरहटा थाना के मंटू साहू के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि रविवार के 9:30 बजे के करीब मुरार निवासी निजामुद्दीन के पुत्र सतार अंसारी 40 बर्ष अपने दोस्त भोजपुर जिला के सिकरहटा थाना के मंटू साहू के साथ अपाची बाइक से कोरानसराय से लौट रहे थे। तभी कोरानसराय बगेन मार्ग पर सत्संग कॉलोनी मुरार गेट के समीप बाइक सवार संतुलन खो दिया। जिससे रोड पर स्थित पुल से जोरदार टक्कर हो गई। तेज टक्कर होने के कारण बाइक पर पीछा बैठा सतार अंसारी 40 वर्ष पुल के बगल में लगे लोहे के पाइप में जा गिरा पड़ा। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। बाइक सवार मंटू साहू बुरी तरह से घायल हो गया है। बाइक सवार को मुरार पुलिस ने स्थानीय पीएचसी में इलाज कराया। मुरार थानाध्यक्ष रविकांत प्रसाद ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। बताया जाता है कि सतार अंसारी और मंटू साहू दोनों एक साथ राज मिस्त्री का काम करते थे।

मोदी तीसरी बार बनेंगे देश के पीएम: भोला सिंह

बक्सर। सोमवार को बक्सर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े भाजपा कार्यताओं की एक बैठक स्थानीय श्री राम कर्मभूमि न्यास के कार्यालय में हुई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि भाजपा बक्सर के नयें जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा बक्सर नगर मंडल अध्यक्ष रमेश वर्मा ने किया। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव भाजपा को सभी लोकसभा सीटो पर जीता नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। तय किया गया कि बूथ कमिटी एवं शक्ति केंद्रों को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए सभी कार्यकताओं को पूरे मनोयोग से लगने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 9 वर्षों के कार्य को जन जन तक पहुंचाने की अपील पार्टी कार्यकताओं से की। वही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा सदन में दिए गए अभिभाषण जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए नव मानोनित भाजपा के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र में भाजपा की सरकार बनेगी। इसके लिए भाजपा हर बूथ को जीतने का संकल्प करती है। उन्होंने कहा कि पीएम के रूप में नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। जबकि प्रधानमंत्री रहते हुए नरेन्द्र मोदी ने देशहित में कई ऐतिहासिक काम व फैसले लिए है। जिससे जनता का भरोसा उनके प्रति है। उक्त अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व जिला अध्यक्ष राम कुमार सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष केदारनाथ तिवारी, राम विनोद चौधरी, प्रदीप दुबे, हिमांशु चतुर्वेदी, राजेश सिन्हा, मदन दुबे, मनोज पाण्डेय, रमेश गुप्ता, अमर गौड़, सुनील सिंह, जय प्रकाश चौबे, सोनू राय, श्रीमन तिवारी, अनुराग श्रीवास्तव, अभिनंदन सिंह, उमा कांत पाण्डेय, सौरभ चौबे, शिव दयाल पाण्डेय, सौरभ तिवारी, नितिन मुकेश सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में सगे भाई गंभीर रूप से चोटिल

केसठ/नावानगर। नावानगर थाना क्षेत्र के जितवा डीह मोड़ के पास टैक्टर और बाइक की आपस में टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार अजहरुद्दीन अंसारी (25 वर्षीय) और आसिफ अंसारी (15 वर्षीय) घायल हो गए है। दोनों सगे भाई है। वही दुर्घटना को अंजाम दे टैज्क्टर चालक ट्रैक्टर लेकर भागने में सफल रहा। स्थानीय निवासियों ने आनन फानन में दोनो घायलों को इलाज के लिए सीएचसी नावानगर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया गया है। सीएचसी से मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवकों की जांघ की हड्डी टूट गई है। वही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक दिनारा क्षेत्र के बडाणी के रहने वाले है जो अपने संबंधी के घर भरौली गए हुए थे। भरौली से आने के क्रम में जितवा डीह मोड़ के पास उनका बाइक ट्रैक्टर से टकरा गया।

परिवारिक सूची बनवाने गए दिव्यांग के साथ सीओ के गार्ड ने की मारपीट

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर अंचल के गार्ड ने पारिवारिक सूची बनवाने गए एक दिव्यांग के साथ मारपीट की है। मामला शनिवार का ही है। पीड़ित ने स्थानीय थाने में गार्ड के खिलाफ लिखित शिकायत देते हुए दिव्यांग उत्पीड़न ऐक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की है।

निमेज के रहने वाले दिव्यांग विनय कुमार सिंह शनिवार को अपने बड़े भाई के साथ पारिवारिक सूची बनवाने के लिए अंचल कार्यालय गए थे। जैसे ही वह सीओ से मिलने उनके कार्यालय में जा रहा था कि गेट पर तैनात उनके गार्ड ने उसको रोक लिया और गाली देते हुए मारपीट करने लगा। गार्ड की पिटाई से विनय जख्मी हो गया है। बताया जाता है कि इस पारिवारिक सूची के लिए वह कई दिनों से अंचल कार्यालय का चक्कर लगा रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही बक्सर जिला दिव्यांग समिति के अध्यक्ष अगस्त उपाध्याय अपने दर्जनों दिव्यांग साथियों के साथ ब्रह्मपुर थाना पहुंच गए। उन्होंने कहा की प्रधान मंत्री दिव्यांगों को कोई भी दिक्कत नहीं होने देने की बात करते हैं, वहीं अंचल कार्यालय में तैनात का एक दिव्यांग को बुरी तरह पीटना अपने आप में शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि हम सभी के तरफ से दोषी के खिलाफ एफआईआर कर दिया गया है। अगर समय से उचित करवाई नही हुई तो हम लोग जिला के डीएम एसपी से मिल कर दोषी के खिलाफ कारवाई की मांग करेंगे।

खबर पर मुहर: कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज ने की पुष्टि

केटी न्यूज/बक्सर

सीसीटीवी फुटेज में फाइल देखता आरोपी

- डीईओ व डीपीओ कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज में फाइल पढ़ते नजर आ रहा है डीपीओ से रंगदारी मांगने का आरोपी

डीपीओ मो शारिक असरफ से रंगदारी मांगने तथा मारपीट का आरोपी अजय सिंह कार्यालय में बैठ फाईलों को पढ़ता नजर आ रहा है। इस दौरान उसके साथ कार्यालय के कंप्यूटर आपरेटर के साथ ही कई क्लर्क भी दिखाई दे रहे है। हालांकि तस्वीर कुछ पुरानी है। लेकिन इन तस्वीरों ने यह साफ कर दिया है कि अजय व अरबिंद की पकड़ विभाग में कितनी गहरी है। जिसके बदौलत वे अधिकारियों तक पर रौब गांठते रहते है। तस्वीरों में उसके साथ कप्यूटर आपरेटर रोहित मिश्र, क्लर्क अनिल राय, सर्वदेव चौबे, अमलेश आदि दिखाई दे रहे है। जाहिर है, ऐसे लोगों के कारण ही विभाग की गोपनीयता भंग हो रही है। सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद अब देखना है कि विभाग अपने विभीषणों पर किस प्रकार नकेल कस रहा है। वहीं सूत्रों की मानें तो अजय व अरबिंद पर पूर्व में दर्ज एक मामले में भी पुलिस के हाथ सीसीटीवी में मजबूत साक्ष्य हाथ लगे है। जिसके बाद दोनों की मुश्किलें बढ़ सकती है। बता दें कि अरबिंद सिंह फिलवक्त डीपीओ से रंगदारी मामले में जेल की हवा खा रहा है। जबकि अजय सिंह फरार चल रहा है। सोमवार को भी पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

डीपीओ प्रकरण के बाद एक तरफ शिक्षा विभाग में भूचाल सा आ गया है। वही अब कई गड़े मुर्दे भी उखड़ने लगे है। सोमवार के अंक में ही केशव टाइम्स ने 'विभीषणों पर नकेल कसने की तैयारी में जुटा शिक्षा विभाग, किये जा रहे चिन्हित' शीर्षक से विभागीय कर्मियों व दलालों तथा माफियाओं के गठजोड़ की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी।

केशव टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि विभाग के कुछ कर्मियों के विभषण की भूमिका के बदौलत ही दलालों की पैठ गहरी है। बुनियादी विद्यालय स्थित डीईओ व डीपीओ कार्यालय के सीसीटीव फुटेज भी केशव टाइम्स की खबर पर मुहर लगा रहे है। सोमवार को ही सीसीटीवी फुटेज की कुछ तस्वीरें वायरल हुई है जिसमें स्थापना

चैत शिवरात्रि पर विभिन्न शिवालयों में दोपहर तक जलाभिषेक कर मत्था टेकते रहे श्रद्धालु

शिवालयों में उमड़ा सैलाब, बारिश पर भारी रही लोगों की आस्था

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

चैत्र शिवरात्रि पर सोमवार को शिवभक्तों की आस्था देखने को मिली। सुबह से हो रही झमाझम बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न शिव मंदिरों में पहुंच जलाभिषेक कर मत्था टेकते रहे। दोपहर तक शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस दौरान जलाभिषेक के साथ ही रूद्राभिषेक, पार्थिव पूजन आदि प्रकारों से देवाधिदेव महादेव की पूजा अर्चना की गई। मंदिर जाने वाले श्रद्धालु महादेव के प्रिय भांग, धतूरा, वेल पत्र, शमी पत्र, मंदार पुष्प चढ़ा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार बक्सर के गौरीशंकर मंदिर, रामेश्वरनाथ शिव मंदिर, ब्रह्मपुर के बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर, डुमरांव के जंगलीनाथ शिवमंदिर, महरौरा शिव मंदिर, लंगटू महादेव शिव मंदिर, कचईनियां के कंचनेश्वर धाम शिव मंदिर, मुंगाव के मुगेश्वरनाथ शिव मंदिर के साथ ही जिले के अन्य शिव मंदिरों में चैत्र शिवरात्रि पर आस्था का सैलाब उमड़ा रहा। इस दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। हालांकि पूरे दिन मौसम खराब था। दोपहर तक झमाझम बारिश से मंदिरों तक जाने वाले रास्तों में जलजमाव व कीचड़ हो गया था। बाजवूद भक्तों की आस्था कम नहीं हुई। बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने से शिवालय गुलजार हो गए थे। उनके द्वारा लगाए जा रहे महादेव व ओं नमः शिवाय के जयघोष से इलाका गूंजायमान हो रहा था। चैत्र शिवरात्रि पर भक्तों की आस्था परवान पर थी। कई मंदिरों में विशेष पूजन का आयोजन भी किया गया था। जिसमें मंदिर समिति के सदस्यों के साथ ही श्रद्धालु भक्त भी शामिल हुए। इस दौरान मंदिरों में कही अखंड संकीर्तन का दौर चला तो कही रूद्राभिषेक कराया जा रहा था। शिवरात्रि पर चले धार्मिक आयोजनों से श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ जा रही थी।

गायत्री महायज्ञ... उत्कर्ष दीप महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने पूर्ण मनोयोग से समर्पित की आहुति

केटी न्यूज/गाजीपुर

अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन सुबह से ही यज्ञ हवन करने के लिए श्रद्धालुओं की अपार भीड़ यज्ञ स्थल रामलीला मैदान पर पहुंचने लगी। अचानक करवट लिए मौसम में भी श्रद्धालुओं ने उल्लास पूर्वक सुख समृद्धि की कामना लिए यज्ञ में आहुतियां समर्पित की। झमाझम बारिश के बीच यज्ञ के दौरान विभिन्न संस्कार भी संपन्न कराए गए। इस दौरान 250 लोगों ने गायत्री परिवार से दीक्षा भी ली एवं 200 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार कराया गया, तथा 10 बहनों का पुंसवन संस्कार एवं 15 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया।

दीक्षा संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रकांड विद्वान एवं अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित श्याम बिहारी दुबे ने बताया कि गायत्री सब मंत्रों तथा सभी विद्याओं में शिरोमणि है। उससे इंद्रियों की साधना होती है। गायत्री कामधेनु के समान

मनोकामना को पूर्ण करती है। दुर्भाग्य, दरिद्रता आदि कष्टों को दूर करती है, पुण्य को बढ़ाती है। पाप का नाश करती है। यज्ञ संचालन के क्रम में उन्होंने यज्ञ के महिमा के बारे में बताया कि यज्ञ के द्वारा देव शक्तियों के साथ संपर्क सधता है, और वह उस आधार पर से यजन करता पर उतरती है।

- यज्ञ हवन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ यज्ञ स्थल रामलीला मैदान पहुंची
- झमाझम बारिश के बीच यज्ञ के दौरान संपन्न कराए गए विभिन्न संस्कार
- 250 लोगों ने गायत्री परिवार से दीक्षा ली 200 बच्चों का कराया गया विद्यारंभ संस्कार

इसी से यज्ञ को देवों की प्रसन्नता अनुकूलता का कार्य बताया गया है। यज्ञ करने वालों को ग्रह-पीड़ा, रोग- बंधन आदि की पीड़ा से नहीं सहनी पड़ती है। यज्ञ का फल अनंत है। जनपद के जिन बच्चों को शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट अंक लाए थे। उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर पंडित दुबे जी ने सम्मानित किया। वहीं युवा उत्कर्ष विषय पर युवाओं की कार्यशैली एवं गोष्ठी का आयोजन हुआ।

मुख्य अतिथि देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के झंडे में तीन रंग- केसरिया, सफेद, और हरा है। यह क्रमशः बलिदान ,शांति एवं समृद्धि के प्रतीक हैं। राष्ट्रीय कर्तव्य को पूरा करने के लिए आज ही युवाओं की भावनाओं को भी इन तीन रंगों में रंगना होगा`युवाओं की बलिदानी भावना से ही राष्ट्र में शांति स्थापित होगी और तभी देश समृद्धि होगो प्रत्येक युवा को अपने राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए स्वयं प्रेरित होकर दूसरों को भी प्रेरित करना होगा। इसके बाद 10,000 दीपक से उत्कर्ष दीप महायज्ञ का आयोजन भी हुओ सभी श्रद्धालुओं ने पूर्ण मनोयोग से दीप यज्ञ में आहुतियां समर्पित की। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विद्यासागर उपाध्याय ने दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मारुति राय, प्रसून दुबे, ममता सिंह नीतू सिंह, राज नारायण पांडे, रविंद्र शास्त्री, घनश्याम जी, लवहर यादव, अंजनी वर्मा, कामता प्रसाद जी, मदनमोहन शर्मा, सदाशिव शर्मा, प्रभा वर्मा, प्रगति सिंह, रिया का योगदान रहा।

खबरें फटाफट

ट्रक-बाइक के बीच टक्कर में ग्राम पंचायत अधिकारी की मौत

बलिया। नगरा-गड़वार मार्ग पर इंदरपुर बाजार समीप सोमवार की दोपहर ट्रक-बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार ग्राम पंचायत अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई। ग्राम पंचायत अधिकारी रविशंकर वर्मा 45 नगरा ब्लाक के ओराईखुर्द, निगहुआं समेत अन्य गांवों में बतौर सचिव तैनात थे। रोज की भांति वे ड्यूटी के लिए बाइक से घर से निकले थे। इंदरपुर बाजार के समीप हादसे के शिकार हो गए।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

गाजीपुर। नंदगंज थाना के सहेड़ी हाल्ट से 200 मीटर दूर ट्रेन के धक्के से युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सहेड़ी गांव निवासी उमेश गौतम (18) पुत्र रंजीत प्रसाद सोमवार की सुबह घर से छह बजे टहलने के लिए निकला था। वह सहेड़ी हाल्ट से कुछ दूर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। तभी वाराणसी से बलिया जा रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गया। धक्का लगने से ट्रैक के किनारे जा गिरा। जिससे दाहिना पैर फैक्चर हो गया और सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। रजादी चौकी इंचार्ज रमेश कुमार पटेल ने बताया कि मृतक के पिता रंजीत प्रसाद ने ट्रेन से धक्का लगने से मौत की थाने में तहरीर दी है।

करंट की चपेट में आने से बिजलीकर्मी झुलसा, इलाजरत

सिकन्दरपुर (बलिया)। थाना क्षेत्र के बंशी बाजार में रविवार की शाम को तार जोड़ते समय करंट की चपेट में आ जाने से 35 वर्षीय बिजली कर्मी बुरी तरह से झुलस गया। उसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के भीमहर गांव निवासी चन्द्रभान सिंह विद्युत उपकेन्द्र मालदह पर संविदा पर लाइनमैन है। रविवार की शाम को वह एक व्यक्ति की छत पर चढ़ कर लाइन का तार जोड़ रहा था, जिसमें किसी के जेनेरेटर का करंट दौड़ रहा था उसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद एक युवक ने उसे तार में फंसा देख कर किसी तरह से पीछे खींच कर तार से छुड़ाया।

मऊ में अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन

साहू समाज के उत्थान के लिए आपसी सद्भाव और लगाव जरूरी : डॉ. गुप्ता

केटी न्यूज/मऊ

साहू समाज में स्वजनों के विकास और उत्थान के लिए आपसी सदभाव का होना जरूरी है। आपसी कटुता और वैमनस्यता का लाभ अन्य लोग उठाते हैं। इससे बचते हुए आपसी समन्वय स्थापित करना होगा। ये उद्गार पूर्वांचल के जाने-माने जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. पी एल गुप्ता के हैं। डॉ. गुप्ता मऊ नगर में अवस्थित श्री शीतला माता मंदिर सभागार में अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा के तत्वावधान में आयोजित मां कर्मा बाई जयंती व होली मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मां कर्मा बाई की जयंती पर आयोजित होली मिलन समारोह साहू समाज के संगठित होने के लिए विशेष प्रेरणा देता है। संगठन को चलाने के लिए कार्यक्रम, कोष और कार्यकर्ता इन तीनों की आवश्यकता पड़ती है और हम ऐसे ही कार्यक्रमों का आयोजन करके इसे शीर्ष पर पहुंचाते हैं।

डॉक्टर पी एल गुप्ता ने कहा यद्यपि कार्यक्रम में समाज के लोगों की संख्या अपेक्षित रूप से कम है परंतु हमें उम्मीद है कि भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों में हम पूरी मुस्तैदी से अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में कामयाब होंगे। प्रतिष्ठित शल्य चिकित्सक डॉक्टर गुप्ता ने आयोजक मंडल को इस बात के लिए शाबाशी दी कि उन्होंने कठोर परिश्रम करके इस तरह के

कार्यक्रमों का आयोजन करके साहू समाज के लोगों को उत्प्रेरित करने का कार्य किया है। इससे पहले डॉक्टर पी एल गुप्ता द्वारा कृष्ण भक्तिनी मां कमाबाई, दानवीर भामाशाह एवं गाडगे की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में शुभम गुप्ता ने श्री कृष्ण राधिका, प्रभु शिवशंकर के जीवन का चलचित्र प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉक्टर डा पी एल गुप्ता स्वागतोपरांत ओ पी गुप्ता एडवोकेट, विजय कुमार गुप्ता एडवोकेट, गुलाब गांधी मंडल अध्यक्ष अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा, अशोक कुमार गुप्ता जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा, संजय कुमार गुप्ता नगर अध्यक्ष, विपिन गुप्ता, प्रेम चंद गुप्ता, लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता आदि लोगो ने वातावरण को होलीमय बना दिया। फतेह बहादुर गुप्ता पत्रकार, स्वतंत्र कुमार साहू उर्फ मुन्ना पत्रकार ने कहा कि समर्थ वर्ग ही राष्ट्रीय विकास में अपने योगदान का निर्वहन कर सकता है। पत्रकार गुलाब गुप्त गांधी ने कहा कि आपसी मतभेद को भुलाकर एकजुट होना ही वास्तविक सदभाव है।

डॉक्टर गुप्ता ने फतेह बहादुर गुप्त वरिष्ठ पत्रकार, स्वतंत्र कुमार साहू पत्रकार, नैंसी गुप्ता, सलोनी गुप्ता, गौतम गुप्ता, हरख चंद गुप्ता, छप्पन भोग को मां कर्मा देवी का चित्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आभार ज्ञापन करते हुए जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि कृष्ण भक्तिनी मां कर्मा देवी, दानबीर भामाशाह की स्थापना का ध्येय सांस्कृतिक-साहित्यिक विकास पुरुषार्थ के साथ अपनी धरोहरों का संरक्षण करना है। आपस में बैठकर मतभेदों को दूर करने के साथ समन्वय बनाना आवश्यक है। कार्यक्रम का सारगर्भित और प्रभावी संचालन लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता ने किया। इसके पश्चात गुलाल-अबीर और फूलों की होली खेली गई। आयोजन मे गुलाब चंद गुप्त गांधी, विपिन गुप्ता, संजय गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, प्रदीप गुप्ता दिल्ली, रवि शंकर गुप्ता, अशोक गुप्ता, गोपाल गुप्ता, धीरज गुप्ता, मनोज गुप्ता, अरुण गुप्ता, विजय गुप्ता, सुमित गुप्ता, ओ पी गुप्ता एडवोकेट, विजय गुप्ता एडवोकेट सहित, समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। होली मिलन समारोह में भारी संख्या में स्वजातीय महिलाओं ने भी प्रतिभाग किया।

एक नजर

मूल्यांकन बहिष्कार के लिए धरना पर बैठे शिक्षक

बलिया। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर की बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का अनोखा मंजर देखने को मिला जहां एक तरफ सीसीटीवी और पर्यवेक्षकों की देखरेख में मूल्यांकन किया जा रहा है, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों को विषेश परिचय पत्र दिखाने के बाद ही मूल्यांकन केन्द्रों में प्रवेश दिया जा रहा। वहीं दूसरी तरफ राजकीय इंटर कालेज के मुख्य द्वार पर कुछ शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन बहिष्कार को लेकर सोमवार को दिनभर नारे बाजी होती रही। जानकारी के अनुसार माशिप की परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्याकंन का कार्य 18 मार्च से निदेशक माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड परीक्षाओं नियुक्त पर्यवेक्षक अशोक कुमार पाण्डेय, संयुक्त निदेशक आजमगढ़ मंडल से कंचन सिंह और जिला प्रशासन की ओर से नियुक्त जिला प्रोबेशन अधिकारी स्टेटिस्टिक्स मजिस्ट्रेट की देख देख मे चल रहा है। फिर भी कुछ लोग मूल्यांकन बहिष्कार करने में जुटे हुए हैं।

आयुष मेडिकल एसोसिएशन की बैठक संपन्न

बलिया। आयुष मेडिकल एसोसिएशन की जनपद इकाई की बैठक लक्ष्मी हॉस्पिटल जिला अस्पताल के सामने बलिया पर संपन्न हुई। यह बैठक डॉक्टर शैलेश राय सदस्य आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा परिषद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। डॉ राय ने अपने संबोधन में कहा कि यह बड़े ही खेद का विषय है कि जब एलोपैथिक और आयुर्वेदिक व यूनानी चिकित्सकों के लिए अलग-अलग कानून है,अलग-अलग नियंत्रण करने वाले बोर्ड है, फिर एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा सीएमओ के निर्देश पर मात्र धन उगाही के लिए छापेमारी का पता करने का काम क्यों किया जा रहा है। कहा कि ऐसी प्रताड़ना का दौर हम लोगों की चट्टानी एकता से रुक सकता है। कहा कि हमें भारतीय चिकित्सा परिषद के अधिकारियों के अतिरिक्त अन्य आर्थिक स्थिति को द्वारा की जाने वाली छापेमारी का डटकर विरोध करना है और आवश्यकता पड़ने पर ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराने का काम करना होगा। कहा कि हमारा पंजीयन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक व यूनानी अधिकारी द्वारा किया गया है और हमारे ऊपर भारतीय चिकित्सा परिषद का कानून लागू होता है, एमसीआई का नही। जिलाध्यक्ष डॉक्टर एलबी कुशवाहा ने बैठकों में शत-प्रतिशत उपस्थित होने का आह्वान करते हुए कहा कि जो सदस्य लगातार तीन बैठकों में उपस्थित नहीं होंगे, उनकी किसी भी समस्या से संगठन का कोई सरोकार नहीं रहेगा। बैठक में डॉक्टर रमा शंकर प्रसाद, डॉक्टर के के सिंह,डॉक्टर रामविलास, डॉ वासिफ अख्तर,डॉ शेषमणि सिंह, डॉ अमरेश सिंह, डॉक्टर विनय सिंह, डॉक्टर अरविंद सिंह के साथ ही बेल्थरा रोड, रसड़ा, सिकंदरपुर, बांसडीह,बैरिया बलिया तहसीलों के आए हुए चिकित्सक शामिल रहे।

छात्र-छात्राओं ने खेल प्रतियोगिता में दिखाया जोश

मऊ। संत गणिनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का दो दिवसीय 44 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह सोमवार को प्रारंभ हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि

मुहम्मदाबाद गोहना के क्षेत्राधिकारी डॉ.अजय विक्रम सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने छात्र छात्राओं का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि खेल का मानव जीवन में बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक के साथ-साथ मानसिक व्यायाम भी है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रुप में भारतीय स्टेट बैंक शाखा प्रबंधक अभिषेक जायसवाल उपस्थित थे। महाविद्यालय के मुख्यशास्ता डॉ. आर.एन.यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. हूर तलअत ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि खेल से आपस में भाईचारा एवं सौहार्द पैदा होता है।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

मऊ। चिरैयाकोट नगर के पी के एस पब्लिक स्कूल में छात्रों के मनोबल को बढ़ाने के लिए स्कूल परिसर में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

आयोजित किया गया। जिसमें पिछले शैक्षणिक सत्र के दौरान छात्रों को उनके ईमानदार प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया। स्कूल ने शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित किया। जिसमें अकादमिक उत्कृष्टता, सर्वश्रेष्ठ गायक, सर्वश्रेष्ठ डांसर, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर, सबसे गुणी छात्र और नियमितता और समय की पाबंदी जैसी श्रेणियां भी थीं। इस अवसर पर प्रत्येक वर्ग के रैंक होल्डरों के साथ-साथ अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल ने विजेताओं को अपने दिल की इच्छा को प्राप्त करने के लिए एवं आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं पुरस्कृत बच्चों के चेहरे खुशी से खिल रहे थे।

बलिया में नशीली दवाएं बेचने की शिकायत पर छापेमारी

केटी न्यूज/बलिया

नशीली दवाओं को बेचने की शिकायत पर औषधि निरीक्षक सिधेश्वर शुक्ल ने मेडिकल स्टोर व एक बीडीएस डाक्टर के यहां छापेमारी की और कागजातों व दवाओं की जांच की। इसके अलावा दो और मेडिकल की दुकानों की जांच की गयी।

शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी व समाधान दिवस में मझौली में स्थित एक मेडिकल स्टोर व घोरौली में एक बीडीएस डॉक्टर के यहां से नशीली दवाएं बेचे जाने शिकायत की थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए औषधि निरीक्षक श्री शुक्ल ने छापेमारी की। सम्बंधित मेडिकल स्टोर और बीडीएस डॉक्टर के यहां कागजातों और दवाओं की गहनता से जांच

की। इसके अलावा बांसडीह रोड में दो मेडिकल की दुकानों का निरीक्षण किया और दवाओं की खरीद व बिक्री के कागजातों को अच्छी तरह से रखने के निर्देश दिये। औषधि निरीक्षक श्री शुक्ल ने बताया कि जांच रिपोर्ट सहायक आयुक्त आजमगढ़ मण्डल आजमगढ़ को प्रेषित किया जा रहा है। इस दौरान वरिष्ठ लिपिक रविशंकर पाण्डेय थे।

जनपदीय रोवर्स रेंजर्स समागम का समापन

केटी न्यूज/बलिया

श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी.कॉलेज में जनपदीय रोवर्स रेंजर्स समागम का दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य समापन समारोह हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रबंध समिति के सचिव सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सेवा, अनुशासन, कर्म की प्रधानता से युक्त इस मंच की सार्थकता आपके जीवन में तभी आएगी जब यहां से प्राप्त शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रेषित करें। जिससे उनके जीवन में प्रकाश की किरणें प्रज्ज्वलित हों। व्यक्तित्व निर्माण का मंच आपसे अपेक्षा करता है कि एकता और अखंडता को कायम रखते हुए राष्ट्र की समसामयिक समस्याओं, अंधविश्वास, कुरीतियों और परंपराओं के नाम पर समाज में बाधक समस्याओं को सफलतापूर्वक कम करें और दूर करने में सहायक हों।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र नाथ मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सेवा के बदले समाज की ओर से प्रशंसा और तिरस्कार दोनों मिलता हैं। यह एक कठिन कार्य होता है लेकिन सेवा देने वाले व्यक्ति के अन्दर एक विशेष उर्जा व आनंद की अनुभूति भी होती है। समागम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों की रोवर्स की 4 टीमें तथा रेंजर्स की 6 टीमों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान रोवर्स रेंजर्स ने टेंट, पुल, कैंप फायर, प्राथमिक चिकित्सा, स्किल ओरमा, इको रेस्टोरेशन एवं अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी. कालेज के रोवर्स रेंजर्स विजेता रहा। इसी क्रम में द्वितीय स्थान किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, तृतीय स्थान सतीशचंद्र कॉलेज को प्राप्त हुआ। इसी क्रम में रेंजर्स में भी आल ओवर विजेता श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी. कालेज रहा। इसी क्रम में द्वितीय स्थान कुंवर सिंह महाविद्यालय,तृतीय स्थान सतीश चंद्र महाविद्यालय की रेंजर्स रहीं।

कार्यक्रम: बलिया जनपद के प्रसिद्ध भूगोलविद् ने डॉल्फिन की रक्षा एवं गंगा की सुरक्षा विषय पर दी विस्तृत जानकारी

गंगा नदी के तट पर डॉल्फिन की रक्षा, गंगा की सुरक्षा का लिया संकल्प

केटी न्यूज/बलिया

सामाजिक वानिकी प्रभाग द्वारा विकासखण्ड सोहाव के अन्तर्गत कोरण्टाडीह रेस्ट हाउस पर गंगा नदी के तट पर डॉल्फिन की रक्षा, गंगा की सुरक्षा नामक भव्य कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चे, अभिभावक एवं आस-पास गणमान्य लोगों के साथ-साथ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीके आनन्द, प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग बलिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित

वक्ताओं के साथ-साथ स्कूली बच्चों द्वारा भी डाल्फिन और गंगा के संबंध में अपने विचार रखे गये। बलिया जनपद के भूगोलविद् डॉ गणेश कुमार पाठक ने डाल्फिन की रक्षा एवं गंगा की सुरक्षा क्यों मानव जीवन के लिए आवश्यक है, इस विषय पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व कोषाधिकारी वंशरोपन राय ने भी अपने विचार रखे। स्कूली बच्चों द्वारा डाल्फिन के सम्बन्ध में रखे गये विचारों के आधार पर एवं उनकी भाषण क्षमता का मूल्यांकन कर प्रथम पुरस्कार मनीषा सिंह एमएनबी मेमोरियल स्कूल, नसीरपुर मठ द्वितीय पुरस्कार सुप्रिया यादव एमएनबी मेमोरियल स्कूल, नसीरपुर मठ, तृतीय पुरस्कार श्रेया कुमारी, राधिका इण्टरनेशनल पब्लिक स्कूल एवं सात्वना पुरस्कार तेजस्वी यादव राधिका इण्टरनेशनल पब्लिक स्कूल हेतु चयन किया गया और सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वीके आनंद, प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, बलिया द्वारा डाल्फिन की रक्षा, गंगा की सुरक्षा के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा करने के उपरान्त उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को डाल्फिन का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक राय एवं भूपेन्द्र तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वीपी गुप्ता, शंकरनाथ सिंह, जयशंकर वर्मा, अशोक यादव, राजेश श्रीवास्तव, सुधीर सिंह, राजू प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

अब जिले के जेल में बंद कैदियों की होगी टीबी की जांच और निःशुल्क इलाज

- विश्व यक्ष्मा दिवस पर कारागारों में होगा जागरूकता कार्यक्रम
- अपर निदेशक-सह-राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी यक्ष्मा ने पत्र जारी कर दिए निर्देश

`केटी न्यूज/बक्सर

देश में हर साल लगभग 5.24 लाख लोग टीबी के कारण काल के गर्भ में समा जाते हैं। यह आंकड़ा दुनिया के अन्य देशों से अधिक है। जेल में रह रहे बंदियों में सामान्य लोगों की अपेक्षा टीबी होने का खतरा अधिक होता है। इसे संज्ञान में रखते हुए राज्य में विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर जिले के सभी कारागारों में टीबी संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस बाबत अपर निदेशक-सह-राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी यक्ष्मा, डॉ. बाल कृष्ण मिश्र ने करा महानिदेशन, गृह विभाग, बिहार सरकार को पत्र जारी कर विश्व यक्ष्मा दिवस राज्य के सभी कारागारों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही है।

जेल में बंद कैदियों को माना जायेगा प्रायोरिटी पापुलेशनः जारी पत्र में बताया गया है कि अपर सचिव एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार जेल में बंद बंदियों को ह्यप्रायोरिटी पापुलेशनह्व मानते हुए निरंतर टीबी की पहचान, जांच एवं उपचार की निरंतरता सुनिश्चित की जाये। विश्व यक्ष्मा दिवस 24 मार्च, 2023 को जिले के सभी जेलों में बंदियों एवं कर्मियों के बीच टीबी के बारे में व्यापक जानकारी के लिए जागरूकता कार्यक्रम एवं 25 मार्च से 13 अप्रैल के बीच जिला यक्ष्मा केंद्र के कर्मियों के माध्यम से लक्षणों के आधार पर स्क्रीनिंग कर टीबी जांच एवं उपचार सुनिश्चित किया जाना है।

टीबी का रोगाणु है घातकः यूं तो बीमारियां लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता के आधार पर शरीर पर असर दिखाती है। लेकिन, ज्यादातर बीमारियां अनदेखी के कारण भयानक रूप ले लेती हैं। इन्हीं बीमारियों में से एक है ट्यूबरक्लोसिस (टीबी)। जो हवा में तैरते ड्रॉपलेट्स के माध्यम से एक मरीज से दूसरे मरीज में संक्रमित होता है। यह जीवाणु से फैलता है, मुख्य रूप से माइक्रोबैकटीरियम ट्यूबरक्लोसिस से. यह आम तौर पर फेफड़ों को प्रभावित करता है, किंतु यह केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र, लिम्फतंत्र, संचार तंत्र, मूत्रजनन तंत्र, हड्डियां, जोड़ यहां तक की त्वचा को भी प्रभावित करता है। यदि इसका इलाज नहीं मिले तो आधे से अधिक रोगी काल का ग्रास बन जाते हैं। डब्लूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की एक तिहाई आदमी के शरीर में इस रोग का संक्रमण पाया जाता है। प्रति एक सेकंड में 1 नया संक्रमण भी होता है। किंतु प्रत्येक संक्रमित व्यक्ति इस इस रोग से ग्रसित नहीं होता है। इसके छिपे संक्रमण से ग्रस्त 10 में से 1 को रोग शुरू हो जाता है।

एक नजर

शिक्षकों के हक के लिए हमेशा आवाज उठाते रहूंगा, बस यही लक्ष्य: संजीव श्याम सिंह

डुमरांव। गया शिक्षक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू प्रत्यासी संजीव श्याम सिंह ने सोमवार को डुमरांव में शिक्षक संवाद किया। यह आयोजन स्टेशन रोड स्थित एक निजी लॉज में किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित थे। इस संवाद कार्यक्रम में डुमरांव अनुमंडल के विभिन्न महाविद्यालयों, इंटर कॉलेजों, उच्च विद्यालयों के शिक्षक सैकड़ों शिक्षक शामिल हुए थे। अपने संबोधन में संजीव श्याम सिंह ने कहा कि उनके जीवन का लक्ष्य शिक्षकों का कल्याण करना है। शिक्षक परिवार में खुशी का माहौल हो इसके लिए सड़क से संसद तक आंदोलन करना उनका दायित्व है। शिक्षक वेतन संरचना उत्तम हो, स्थानांतरण, शिक्षक विकास कार्यक्रम, पेंशन संबंधी आवश्यक कदम, शिक्षा विभाग में शिक्षक के सम्मान के लिए आवश्यक कदम उठाना उनकी सोच में शामिल है। संवाद कार्यक्रम में कई शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे तथा उनके प्रति अपना समर्थन जताया। कार्यक्रम को संबोधित करने वाले शिक्षक प्रतिनिधियों में बृजेश राय, शंकर प्रसाद, विनोद चौबे, डॉ मनीष कुमार शशि, चंदन प्रसाद, इकबाल अहमद, धनंजय प्रसाद, डॉक्टर पम्मी राय, केके ओझा, अशोक राय, रंजन प्रसाद आदि शामिल रहे। इस दौरान संजय कुमार दूबे, रंजन कुमार, उपेन्द्र राय समेत सैकड़ो शिक्षक मौजूद थे।

आक्रोशित लोगों ने किया धनसोई मार्ग को किया जाम, पुलिस को करना पड़ा हस्तक्षेप

धनसोई। आक्रोशित ग्रामीणों ने रविवार की शाम धनसोई थाना के सामने ही इटाढी-दिनारा पथ को जाम कर दिया। वे ऐतिहासिक शेरशाह के तालाब के जीर्णोद्धार की मांग कर रहे थे। उनकी बातें सुन पुलिस भी चौंक गई। कहां से सारे लोग अतिक्रमण करते हैं। यह कैसे लोग हैं जो सरकारी तालाब खुदवाना चाहते हैं। पूछने पर ज्ञात हुआ कि धनसोई थाना के मुबारकपुर गांव के समीप छह एकड़ भूमि का तालाब था।

जिसका उल्लेख 1909 के नक्शे तथा खतियान में भी है। लेकिन, कुछ लोगों ने उसे अपने नाम करा लिया है। हाल ही में उसे खेत भी बना लिया गया है। हालांकि पुलिस के समझाने पर जाम करने वाले लोग हट गए। इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे नंदू चौधरी व अजय चौधरी ने बताया कि जमीन 1962 में ही काली बाबू के नाम पर दर्ज हो गई। इसके बाद उन्होंने यह जमीन चन्द्रकांत राय को बेच दी है। हम लोग उसी को खाली कराना चाहते हैं। इसके लिए चकबंदी के संयुक्त सचिव नवल किशोर को भी ज्ञापन दिया है। उन्होंने 24 मार्च 2022 को ही बक्सर जिलाधिकारी से इसकी अद्यतन रिपोर्ट मांगी थी। जो अभी तक अप्राप्त है। ग्रामीणों ने पूछने पर यह भी बताया कि मुबारकपुर में सड़क किनारे बाजार लगता है। लेकिन, वे जबरन चुंगी वसूल रहे हैं। जबकि बाजार हम लोगों ने बसाया है। इसके खिलाफ ग्रामीण पुनरू पटना जाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है भूमि व राजस्व मंत्री से भी इस सिलसिले में बात की जाएगी।

प्रशासन मौन, चौक-चौराहों पर बेतरतीब खड़ी रहती है ऑटो, राहगीर त्रस्त

डुमरांव। पुराना भोजपुर चौक अतिक्रमणकारियों की चपेट में बहुत पहले से ही है। हाल के दिनों में टेम्पो चालकों की मनमानी से इसका दायरा और बढ़ गया है। चार साल पहले रोड बनने के समय जब पुल का निर्माण हुआ तब उसकी चौड़ाई काफी बढ़ गयी। उस चौड़ायी को टेम्पों चलक अतिक्रमण कर बेतरतीब ढंग से अपने टेम्पो को खड़ा कर दे रहे हैं। इनके इस करगुजारियों से बड़े एवं छोटे वाहनों को निकलने में परेशानी होने लगी है। ऐसे में बराबर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। गौरतलब है कि पुराना भोजपुर चौक एनएच-84 और डुमरांव-बिक्रगंज स्टेट हाइवे को जोड़ता है। इसी चौक से आरा-बक्सर एवं पुराना भोजपुर-सिमरी पथ का जुड़ाव है। हजारो वाहन इस रास्ते से गुजरते रहते हैं। टेम्पों चालकों की मनमानी से इनका असानी से निकलना मुश्किल हो जाता है। सवारियों को बीच रोड में बैठाना, उतारना इनके रोजमर्रा के बात है। टेम्पों चलाको के बेतरतीब ढंग से टेम्पों खड़े किए जाने के कारण कई बार दुर्घटना भी घट चुकी है। कोई इनसे उलझना भी नहीं चाहता। क्योंकि ये मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। ग्रामीणों का मानना है कि चौक पर सुबह आठ बजे से संध्या आठ बजे तक पुलिस की ड्यूटी लगा दिया जाता तो लोग परेशानी से बच जाते।

केविके में पांच दिवसीय केंचुआ खाद का उत्पादन को लेकर प्रशिक्षण का शुभारंभ

बक्सर। कृषि विज्ञान केंद्र बक्सर में ग्रामीण नवयुवकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम केंचुआ खाद उत्पादन तकनीकी द्वारा आयोजन का शुभारंभ सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरगोविंद, डॉक्टर देवकरण, रामकेवाल एवं डॉ मांधाता सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किये। उद्घाटन संबोधन में हरि गोविंद ने प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी जानकारी देते हुए कहा कि बदलते समय जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए जैविक उपयोग लाभकारी सिद्ध हो रही है। मुख्य प्रशिक्षक डॉ देवकरण ने तकनीकी सत्र में केंचुआ खाद क्यारिया इकाई स्थापित करने के लिए जानकारी दी गई। जगह का चयन बगीचे में या छायादार स्थान पर करने की भी जानकारी दी गई। इसमें क्यारी की लंबाई व चौड़ाई 3 फीट एवं गहराई 2:30 से 3:00 फिट रखने की जानकारी दी गई। क्यारी ऐसे स्थान पर बनायें जहां पानी आसानी से उपलब्ध है। पशुशाला नजदीक हो, जिनके कच्चा पदार्थ जैसे गोबर, फसल अवशेष, सब्जी के अवशेष, पेड़ के नीचे की पत्तियां आदि आसानी से उपलब्ध हो सके।

बारिश का कहरः बिन मौसम वर्षा ने किसानों की तोड़ी कमर

फसलों की हुई क्षति के कारण किसान चिंतित, ईंट उद्योग को पहुंचा नुकसान

केटी न्यूज/ बक्सर/डुमरांव

मौसम में काफी उतार चढ़ाव आ रहा है। जिससें किसान खासा परेशान है। बूंदाबांदी के बीच तेज हवाएं चलने से कई स्थानों पर गेहूं की फसल गिर गई है। इसके किसान के माथे पर चिंता की लकीरे उभर रही है। होली से पहले मौसम लगातार बदल रहा है। दोपहर में गर्मी तो सुबह शाम खासी ठंड रहती है। सोमवार रात अचानक तेज हवा के साथ बूंदाबांदी ने किसानों की धड़कने बढ़ा दी है। जबकि पकने में अभी करीब एक माह है। वहीं कई किसानों गेंहू पक चुके है। जिन्हें भारी नुकसान हुआ है।

वहीं सोमवार की सुबह मुसलाधार बारिश ने किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। वहीं कई किसानों की फसल हवा चलने की वजह से खेत में बिछ गई है। इससे गेहूं की पैदावार पर खासा प्रभाव पड़ेगा। वहीं दलहनी व आम के फसल को भी काफी बड़ा नुकसान हुआ है। क्योंकि दलहनी फसल पक कर तैयार है। दियारांचल में तो कटनी भी शुरू हो गई है। किसानों के लिए यह बारिश अब आफत बन गई है। गरज चमक के साथ हो रही तेज बारिश से खेतों में

- सोमवार रात तेज हवा के साथ बूंदाबांदी ने किसानों की धड़कनें बढ़ा दी

फसल को भारी नुकसान हो रहा है। किसानों की फसल बुरी तरह प्रभावित हो रही है। निचले हिस्से के खेतों में पानी भर गया है और पकने को तैयार फसल गिर गई है। जिससे कड़ी मेहनत पर पानी फिर गया है। इसके साथ ही आम समेत रबी की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। बारिश की प्रकोप से किसानों के चेहरे मुरझा गए हैं। उनके चेहरे पर चिंता दिखाई दे रही है और वे मायूस हो गए हैं। वहीं मौसम विभाग ने आगाह किया है कि आने वाले 2 दिनों तक ऐसा ही मौसम रहेगा। तेज हवा के साथ हो रही बारिश से खेतों में लगी गेहूं की फसलें गिर गई हैं। साथ ही इसके पहले हुई बारिश, आंधी व ओले से गिर चुकी फसलों को और ज्यादा नुकसान हुआ है। आम के मंजर, दलहनी, तेलहनी व सब्जियों की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। इस बारिश की वजह से किसानों को नफा और नुकसान दोनों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण एक तरफ जहां विभिन्न भागों में स्थित खेतों में लगी तेलहन और दलहन की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है, वहीं इस वजह से गेहूं की फसल को फायदा होने से किसानों के चेहरे पर चमक बढ़ गई है।

किसानों को होगा आर्थिक नुकसान : किसान रमेश पाण्डेय ने बताया कि बेमौसम बारिश से खेतों में लगी तेलहन और दलहन की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि वैसे इस बारिश से गेहूं की फसल को फायदा पहुंचा है। लेकिन यदि अब आगे भी बारिश जारी रही तो गेहूं की फसल को भी काफी नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में किसानों की कमर ही टूट जाएगी और उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर सकता है।

ईंट उद्योग को भारी नुकसान : सोमवार की सुबह रूक-रूक कर बारिश के कारण ईंट उद्योग को भारी क्षति पहुंच रही है। तेज बारिश के कारण चिमनियों पर रखे गए कच्चें ईंट बड़ी मात्रा टूट गए है। जिससे चिमनी संचालकों में मायूसी छाई है। बारिश से चिमनी संचालकों को लाखों रुपए के ईंटो का नुकसान हुआ है। अनुमंडल में उद्योग का रूप ले चुके ईंट निर्माण की दर्जनों चिमनियां है। अकेले डुमरांव बिक्रमगंज पथ के किनारे करीब आधा दर्जन से अधिक चिमनियां है। इसके अलावे टुड़ीगंज, सोवां, छतनवार, आकलुपुर, नंदन, नावनगर सहित कई अन्य जगहों पर ईंट भट्टे चलाए जा रहे है। लाखों की संख्या में कच्चें ईंट टूट गए है। जिससे चिमनी संचालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। चिमनी संचालक विभोर द्विवेदी ने कहा कि उनका अकेले कच्चे डेढ़ लाख का ईंट बारिश के कारण टूट गया है। तेज रफ्तार के कारण कच्चें ईंट भींगकर खराब हो गये है।

पत्नी के इलाज के लिए डीडीसी से कर्ज मांगने पहुंचा रिटायर्ड शिक्षक

बक्सर। रिटायर्ड शिक्षकों का सेवांत लाभ तथा एरियर भुगतान के प्रति शिक्षा विभाग शुरू से ही उदासीन रहा है। लेकिन अब इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों के आदेश भी बेअसर साबित हो रहे है। सोमवार को बक्सर में एक दिलचस्प मामला देखने को मिला जब एक रिटायर्ड शिक्षक अपनी पत्नी का इलाज कराने के लिए डीडीसी के पास कर्ज मांगने पहुंच गए। रिटायर्ड शिक्षक विजय नारायण राय का सेवांत लाभ देने के लिए पिछले सप्ताह ही डीडीसी ने डीईओ को निर्देश दिया था। लेकिन डीईओ इस निर्देश का अनुपालन नहीं कर सके। अलबत्ता क्लर्क उन्हें उल्टे सीधे पाठ पढ़ाते रहे। इधर उनकी पत्नी की तबीयत खराब थी। छह माह पहले सेवानिवृत हो चुके विजय कुमार राय ने तब आर्थिक मदद के लिए डीडीसी का दरवाजा खटखटाया। पूरे घटना से वाकिफ होने के बाद डीडीसी ने एक बार फिर से शिक्षा विभाग के अधिकारियों की क्लास लगाई है। अब देखना है कि डीडीसी द्वारा दिए गए दूसरी बार के निर्देश का पालन विभाग करता है या फिर पिछली दफा की तरह इस बार भी रिटायर्ड शिक्षक को भीख मांगने किसी आलाधिकारी के पास जाना पड़ रहा है। हालांकि शिक्षा विभाग के लिए यह कोई पहला मामला नहीं है। बता दें कि ब्रह्मपुर अंचल के मध्य विद्यालय चकनी के शिक्षक रामप्रवेश सिंह का छह महीने पहले निधन हो गया था। उनकी पत्नी दिव्यांग है। वह अपने बच्चों के साथ महीनों तक विभागीय कार्यालय का चक्कर लगा जब थक चुकी तो वह भी डीडीसी का दरवाजा खटखटाई थी।

बजाज लाया है अचूक ब्रेकिंग सिस्टम, फिसलन वाले रास्ते में भी 67 फिसदी दुर्घटना से बचाएगा

केटी न्यूज/ बक्सर

सोमवार को कैलाश बजाज ऑटो मोबाइल के द्वारा कंफर्ट चौलेन्ज का आयोजन किया गया। जिसमें एबीएस शो रूम के सामने उपभोक्ताओ व खरीदारों को प्लेटिना 110 सीसी टेस्ट राइड दिया गया। जो लोगों को खुब पसंद आयी। कैलाश बजाज के संचालक अमित सिंह ने बताया कि एबीएस तकनीकी (एन्टी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) एवं अन्य खूबियों की जानकारी भी उपभोक्ताओं व चालकों को दी गयी। अमित ने बताया कि एबीएस एक आधुनिक तकनीकी है, जो पहली बार बजाज ऑटो 110 सीसी सेगमेंट में लॉन्च हुई है। जो अपने अचूक ब्रेकिंग सिस्टम से आपको दुर्घटना होने से 67 फिसदी बचाता है। इस तकनीक से सुरक्षा बेहतर होती है। इस से बाइक फिसलती नही है। इस कार्यक्रम के दौरान 18 गाड़ी की डिलेवरी एवं 21 गाड़ियों की बुकिंग की गयी। ग्राहकों को फाइनेंस एवम एक्सचेंज की सुविधा उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का

उद्घाटन इस आयोजन का उदघाटन बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर मंजीत सिंह और उप मैनेजर पंकज जी और कंपनी के एरिया मैनेजर विनय सिंह के द्वारा हुआ साथ मे सुजीत कुमार, रतन कुमार, रणविजय, विकास राय , राजू सिंह, धनंजय मिश्रा उपस्थिति रहे। शो रूम के संचालक अमित कुमार ने बताया कि से गाड़ी को 4,999 रुपये की डाउन पेमेंट पर ग्राहक ले जा सकते है।

मौसमी बीमारी की चपेट में आ रहे लोग

केसठ। इन दिनों वायरल बुखार, सर्दी एवं खांसी के मरीजों में कमी नहीं आ रही है। पीएचसी में इससे पीड़ित मरीज पहुंच रहे हैं। लोग अब वायरल फीवर का शिकार हो रहे हैं। गांवों में बुखार का प्रकोप फैल रहा है। अस्पतालों में इस से पीड़ित मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। हालांकि चिकित्सकों का कहना है कि सामान्य खांसी बुखार को लेकर कोरोना का भरम ना पाले, मौसमी बदलाव के कारण वायरल बुखार हो रहा है। इससे घबराने की नहीं बल्कि इलाज की जरूरत और परहेज की जरूरत है। पीएचसी केसठ में ओपीडी में रोजाना करीब 60 से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे है जिसमें 8 से 15 मरीज वायरल फीवर के ग्रसित है।

अपहृत किशोरी लुधियाना से बरामद, आरोपी गिरफ्तार

केटी न्यूज/नावानगर

सिकरौल थाना क्षेत्र के एक गांव से शादी की नियत से अपहरण की गई किशोरी को पुलिस ने पंजाब के लुधियाना शहर से बरामद कर लिया है। साथ ही किशोरी को अपहरण करने वाले आरोपी युवक मनु मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बताया जाता है कि किशोरी सिकरौल लख बाजार पर प्रतिदिन सिलाई सीखने आती थी। जहां से वह गायब हो गई थी। इस संबंध में किशोरी की मां ने सिकरौल थाना में शादी की नियत से उनकी पुत्री का अपहरण का आरोप लगाते

हुए सिकरौल लख निवासी हरेन्द्र चौधरी पर नामजद एफआईआर दर्ज कराई थी। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि किशोरी को उसके प्रेमी के साथ लुधियाना शहर से बरामद कर लिया गया है। बरामद करने के बाद आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है। बरामद किशोरी को बयान के लिए कोर्ट भेजा गया है।

सदगुरु स्वामी कृष्णानंद जी महाराज का प्रवचन, कोपवां काली मंदिर में बह रही है भक्ति की रसधारा

भोलेनाथ ने समाज व संसार के कल्याण के लिए पीया विषः स्वामी जी

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के कोपवां गांव स्थित कोपवां काली मंदिर में सदगुरु स्वामी कृष्णानंद जी महाराज द्वारा प्रवचन की भक्ति रसधारा बहायी जा रही है। उन्होंने अपने को आदिशक्ति का उपासक बताते हुए कथा में भगवान राम, कृष्ण, शिव, माता सीता, मां काली के कथा से उपस्थित विशाल जन समूह को कथा का रसपान कराया। जहां श्री स्वामी ने माता सीता को काली का रूप बताए। उन्होंने कहा कि भगवान शिव को समाज एवं संसार के कल्याण के लिए विष पिये है। स्वामी जी ने उपस्थित जन समूह को समझाते भारत धर्म व कर्म क्षेत्र का देश है। उन्होंने कहा कि वाह्य अंडम्बरों से बचते हुए प्रभु के शरण में रहने की सिख दी। ज्योतिष की गणना का बखान करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय आर्यो में ज्योतिष विद्या का ज्ञान अत्यन्त प्राचीन काल से था। यज्ञों की तिथि आदि निश्चित करने में इस विद्या का प्रयोजन पड़ता था। अयन चलन के क्रम का पता बराबर वैदिक ग्रंथों में मिलता है । प्राचीन हिंदुओं ने ध्रुव का पता भी अत्यन्त प्राचीन काल में लगाया था। अयन चलन का सिद्धान्त भारतीय ज्योतिषियों ने किसी दूसरे देश से नहीं लिया; क्योंकि इसके

संबंध में जब कि युरोप में विवाद था, उसके सात आठ सौ वर्ष पहले ही भारतवासियों ने इसकी गति आदि का निरूपण किया था। भारतीय ज्योतिषी गणना के लिये पृथ्वी को ही केंद्र मानकर चलते थे और ग्रहों की स्पष्ट स्थिति या गति लेते थे। इससे ग्रहों की कक्षा आदि के संबंध में उनकी और आज की गणना में कुछ अन्तर पड़ता है। जहां कोपवां काली मां को रती माता कि उत्पति बताते कामदेव, प्रदूम की कहानी को विस्तार से सुनाया। वहीं बच्चो सहित अन्यों को संस्कार डालने की बात समझाते भगवान से प्रेम करने की नसीहत दी। इससे पहले कार्यक्रम का शुरूआत सर्किर्तन से किया गया। जहां महात्मा प्रभारकर जी ने .....सारा दर्द का एक ही दवा.....मां को जपो यारों के गुंजायमान भजन से उपस्थित सभी को मंत्र मुग्ध किया गया। भजन के माध्यम से लोगो को भगवान एवं माता से प्रेम करने की ज्ञान दिया गया। वहीं काली मंदिर कमिटी प्रमुख अमिताभ कुमार सिंह उर्फ मुन्ना जी को कर्म धर्म की ज्योति बढ़ाने को महापुरुष की संज्ञा दी। कार्यक्रम के अंत में मां काली, शिव, कर्पूर गौरम, माता तेरे चरणों का आशीर्वाद से आरती करके पूरे वातावरण को भक्ति रस में गुंजायमान बना दिया। जहां उपस्थित सभी से श्री स्वामी ने अपने अपने घरों में आरती पूजन करने की नसीहत देते राम रसायन और भगवती तत्व का पाठ पढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन अरुण कुमार सिंह ने किया जहां मौके पर अमिताभ कुमार सिंह, मुन्ना सिंह, अवधेश सिंह, गीता सिंह, दिव्यांश कुमार, मिथिलेश कुमार सिंह, नीतू सिंह, रामेश्वर सिंह, प्रिंस सिंह, करिया सिंह, सहित दूसरे राज्यों व जिलों से श्रद्धालु आएं।